बागेश्वर धाम एवं मेहंदीपुर बालाजी के चरणों में समर्पित

दैनिक हिन्दी समाचार पत्र

संस्कार उजाला

सच का हुंकार

sanskarujala@gmail.com

संस्थापक स्व० सुखराम शर्मा एवम शिवकुमार शर्मा, श्री प्रकाशवीर

संस्कार उजाला

हिन्दी समाचार पत्र को आवश्यकता है

विज्ञापन एंव खबर लाने वाले स्टाफ की।

सम्पर्क करें

मो0-9456278011

गाजियाबाद से प्रकाशित, दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, हरियाणा, सहारनपुर, मेरठ, मुरादाबाद, बरेली, हापुड, बुलंदशहर, मथुरा आगरा, इटावा, कानपुर एंव लखनऊ से प्रसारित

वर्ष : 11 अंक : 89 | शुक्रवार 21 जुलाई 2023 गाजियाबाद | RNI No-UPHIN / 2013 / 50466 | पेज: 8 मूल्य : 2 रुपया

सदन में सार्थक चर्चा कर आम लोगों की समस्याओं का हल निकालें : बिरला

नयी दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मानसून सत्र शुरू होने से पहले सभी दलों के सदस्यों से आज अपील की कि वे सदन में जनहित एवं देशहित के मुद्दों पर सार्थक चर्चा कर आम लोगों की समस्याओं का हल निकालें। बिरला ने अपने ट्विट में कहा, संसद का मॉनसून सत्र आज प्रारंभ हो रहा है। लोक सभा में सभी दलों के नेताओं और माननीय सदस्यों से आग्रह है कि देशहित तथा जनहित के विषयों पर सदन में सार्थक संवाद हो। चर्चा के जरिए आमजन की कठिनाइयों का समाधान कर हम देश को प्रगति पथ पर गतिमान करें। जनमानस की भी हमसे यही अपेक्षा है। संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई से 11 अगस्त तक चलेगा। इस दौरान करीब 31 विधेयक पेश किये जाने हैं। इनमें दिल्ली की प्रशासनिक व्यवस्था संबंधी अध्यादेश का स्थान लेने वाला विधेयक शामिल है।

मणिपुर में महिलाओं के साथ यौन हिंसा की निंदा की ईरानी ने

नयी दिल्ली। केंद्रीय महिला और बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने मणिपुर में दो महिलाओं के साथ यौन हिंसा की कड़ी निंदा की है और इन्हें अमानवीय बताया है। श्रीमती ईरानी ने बुधवार देर रात एक ट्वीट में कहा कि मणिपुर में दो महिलाओं के साथ हिंसा के वीडियो सामने आए हैं। यह निंदनीय और अमानवीय हैं। केंद्रीय मंत्री ने ट्वीट ने बताया है कि उन्होंने मणिपुर के मुख्यमंत्री ए. बीरेन सिंह से बात की है। मुख्यमंत्री ने इस संबंध में पूरी कार्रवाई करने और दोषियों को सजा देने का आश्वासन दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि मामले की जांच चल रही है और अपराधियों को न्याय के समक्ष लाने में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। गौरतलब है कि मणिपुर में जारी हिंसा के बीच सोशल मीडिया पर दो महिलाओं को नग्न घुमाने के वीडियो वायरल हो रहे हैं।

मणिपुर पर बोले पीएम मोदी-

पीड़ा और गुस्से से भरा है मेरा दिल, पूरी शक्ति और सख्ती से होगा ऐक्शन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद के मॉनसून सत्र को की शुरुआत से पहले आज मीडिया से बात की। उन्होंने मनिपुर की घटना को शर्मनाक बताया उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी गुनहगार को बख्शा नहीं जाएगा।

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मणिपुर में दो महिलाओं के साथ हुई गैंगरेप की घटना को शर्मनाक बताया है। साथ ही उन्होंने कठोर कार्रवाई की बात भी कही है। संसद के मॉनसून सत्र की शुरुआत से पहले आज मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि किसी भी गुनहगार को बख्शा नहीं जाएगा।

पीएम मोदी ने कहा, मणिपुर की जो घटना सामने आई है वो किसी भी सभ्य समाज के लिए ये शर्मसार करने वाली घटना है। गुनाह करने वाले कितने और कौन हैं, वो अपनी जगह पर हैं पर बेइज्जती पूरे देश की हो रही है। मैं सभी मुख्यमंत्रियों से आग्रह करता हूं कि वो अपने राज्यों में कानून व्यवस्थाओं को और मजबूत करें। खासतौर पर हमारी मातओं-बहनों की रक्षा के लिए कठोर से कठोर कदम उठाए। वहीं, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दो महिलाओं के साथ क्रूरता के हालिया वायरल वीडियो पर मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह से बात की है। मॉनसून सत्र से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, मॉनसून सत्र में आप सभी का स्वागत है। सावन का पवित्र मास चल रहा है। सावन मास पवित्र संकल्प और पवित्र कार्यों के लिए बहुत ही उत्तम माना जाता है। मुझे विश्वास है कि सभी सांसद मिलकर इस सत्र का जनहित में सर्वाधिक उपयोग करेंगे। संसद और हर सांसद की जो जिम्मेवारी है, ऐसे अनेक कानूनों को बनाना और उसपर चर्चा करना बहुत आवश्यक है। चर्चा जितनी पैनी होती है उतना जनहित में दूरगामी परिणाम देने वाले अच्छे निर्णय होते हैं।

आम आदमी पार्टी ने राज्यसभा में कार्य स्थगन प्रस्ताव का नोटिस दिया

नयी दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा में सांसद संजय सिंह ने नियम 267 के तहत सदन में कार्य स्थगन प्रस्ताव का नोटिस देकर मणिपुर की स्थिति पर चर्चा कराने की मांग की है।

श्री सिंह ने अपने नोटिस में मणिपुर की स्थिति को चिंताजनक बताते हुए सदन में इस पर चर्चा कराने की मांग की है। उन्होंने अनुरोध किया है कि सदन में सभी कार्यों को रोककर इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर चर्चा की जानी चाहिए। इससे पहले द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के सदस्य तिरुचि शिवा भी तमिलनाडु में राज्यपाल की भूमिका पर सवाल उठाते हुए इस बारे में कार्य स्थगन प्रस्ताव का नोटिस दे चुके हैं। इसे देखते हुए मानसून सत्र के पहले दिन ही सदन में हंगामे के आसार बनते दिख रहे हैं, क्योंकि कांग्रेस की ओर से भी मणिपुर के मुद्दे पर कार्य स्थगन प्रस्ताव का नोटिस देने की बात पहले ही कह दी गई थी। द्रमुक सदस्य ने बुधवार को राज्यसभा के सभापति को लिखे पत्र में कहा है कि तमिलनाडु में राज्यपाल निर्वाचित सरकार के अधिकारों का अतिक्रमण कर रहे हैं। उन्होंने प्रस्ताव में नियम 267 के तहत सदन में सभी विधयी कार्य रोक कर इस मुद्दे पर चर्चा कराने की मांग की है।

विपक्ष की पार्टियों के एक मंच पर आना देशहित के लिए शुभ संकेत-गहलोत

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने देश में विपक्ष की पार्टियों के एक मंच पर आने पर खुशी जताते हुए कहा है कि यह देश हित के लिए एक शुभ संकेत है।

श्री गहलोत ने सोशल मीडिया के माध्यम से कहा कि अब विपक्ष की पार्टियों का एक मंच पर आना संभव हुआ जो देशहित के लिए एक शुभ संकेत है। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में लोकतंत्र बचाने एवं संविधान को मजूबत करने के उद्देश्य से बना यह गठबंधन देश के भविष्य की बेहतरी के लिए एक बड़ा कदम साबित होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी की 3500 किलोमीटर भारत जोड़ो यात्रा से देशवासियों का एक संकल्प सामने आया और एक प्रेम, सद्भाव एवं भाईचारे का नया माहौल बना। उन्होंने कहा कि श्री राहुल गांधी ने चार मुद्दे महंगाई, बेरोजगारी, अमीर-गरीब के बीच बढ़ती खाई एवं बढ़ती हिंसा प्रमुखता से उठाए थे। इस यात्रा को तमाम राजनीतिक दलों ने पार्टी लाइन से ऊपर उठकर समर्थन दिया क्योंकि ये सारे मुद्दे देश के सामने की चुनौतियों को सामने रख रहे थे।

उन्होंने कहा 'जुड़ेगा भारत, जीतेगा इंडिया।'

मणिपुर को लेकर संवैधानिक जिम्मेदारी भूल गए मोदी: मल्लिकार्जुन खड़गे

नयी दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे कहा है कि मणिपुर जल रहा है, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी सारी संवैधानिक जिम्मेदारी भूल कर मणिपुर की स्थिति पर कुछ भी बोलने को तैयार नहीं हैं। खडगे ने कहा कि मानवता और संवेदनशीलता अगर मरी नहीं है, तो मणिपुर को लेकर प्रधानमंत्री को अपनी जिम्मेदारी समझते हुए देश को वहां की असली स्थिति बतानी चाहिए। उन्होंने कहा कि मणिपुर में मानवता मर गयी है। केंद्र की मोदी सरकार और

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मणिपुर के नाजुक सामाजिक ताने-बाने को नष्ट करके लोकतंत्र और कानून के शासन को भीड़तंत्र में बदल दिया है। उन्होंने प्रधानमंत्री को संबोधित करते हुए कहा, नरेंद्र मोदी जी, भारत आपकी चुप्पी को कभी माफ नहीं करेगा। यदि आपकी सरकार में ज़रा भी विवेक या शर्म बची है, तो आपको संसद में मणिपुर के बारे में बोलना चाहिए और केंद्र तथा राज्य दोनों में अपनी दोहरी अक्षमता के लिए दूसरों को दोष दिए बिना देश को बताना चाहिए कि क्या हुआ। आपने अपनी संवैधानिक ज़िम्मेदारी छोड़ दी है। संकट की इस घड़ी में हम मणिपुर के लोगों के साथ खड़े हैं। इससे पहले कांग्रेस के संचार विभाग की प्रभारी जयराम रमेश ने कहा, मणिपुर में बड़े पैमाने पर जातीय हिंसा को भड़के 78 दिन हो गए हैं। दो महिलाओं को निर्वस्त्र कर के घुमाने और कथित तौर पर उनके साथ बलात्कार की भयावह घटना के 77 दिन हो गए हैं। अज्ञात लोगों के ख़िलाफ़ प्राथमिकी दर्ज़ किए जाने के 63 दिन बाद भी अपराधी अभी तक पकड़े नहीं गए हैं। राज्य में इंटरनेट बंद होने के कारण देश के बाकी राज्यों के लोगों का ज़रा भी अंदाज़ा नहीं था कि मणिपुर में इतनी भयानक घटना घटी है।

'सरकार चुप रही तो हम करेंगे कार्रवाई', मणिपुर में दरिंदगी पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, दिया अल्टीमेटम

नई दिल्ली। मणिपुर में दो महिलाओं को नग्न कर घुमाने का मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया है। शीर्ष न्यायालय ने घटना पर स्वतः संज्ञान लिया है और सुनवाई की तारीख 28 जुलाई तय की है। इस पूरी घटना को लेकर कोर्ट ने केंद्र सरकार से रिपोर्ट भी मांगी है और समय रहते कार्रवाई करने की हिदायत दी है। इधर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी घटना पर पहली बार प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का भरोसा दिया है। सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि दो महिलाओं को नग्न कर घुमाए जाने वीडियो को लेकर व्यथित हैं। भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने भी सरकार से कड़े शब्दों में कार्रवाई करने के लिए कहा है। कोर्ट का कहना है कि इस तरह की घटना बिल्कुल अस्वीकार्य है और यह बेहद दुखद है। सुप्रीम कोर्ट ने इसे संविधान और मानवाधिकारों का उल्लंघन बताया है। साथ ही चेतावनी भी दे दी है कि अगर सरकार ने कुछ नहीं किया, तो हम कार्रवाई करेंगे। अदालत ने केंद्र और राज्य सरकार से रिपोर्ट भी तलब की है। कोर्ट का कहना है कि लोकतंत्र में महिलाओं को हिंसा के साधन की तरह इस्तेमाल किया जाना बिल्कुल भी स्वीकार्य नहीं है।

'कुर्सी है तुम्हारा जनाजा तो नहीं?' मणिपुर की घटना पर भड़के कुमार विश्वास

नई दिल्ली। मणिपुर में दो महिलाओं को नग्न कर सड़क पर घुमाने का मामला लगातार तूल पकड़ता जा रहा है। इस घटना से पूरा देश आक्रोशित है। लोग इस मसले पर मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। मणिपुर में सामने आई इस वीभत्स घटना पर आम आदमी पार्टी के पूर्व नेता और कवि कुमार विश्वास की भी प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने ट्वीट कर इस मामले में मुख्यमंत्री बीरेन सिंह पर हमला बोला है। लिखा- अगर कुछ कर नहीं सकते तो उतर क्यों नहीं जाते...

हिंसाग्रस्त राज्य मणिपुर में दो महिलाओं से दरिंदगी से पूरा देश स्तब्ध है। कुकी समुदाय की दो महिलाओं को नग्न कर सड़क पर घुमाने के मामले में आज सड़क से संसद तक हंगामे के आसार हैं। आरोप है कि भीड़ द्वारा उनका गैंगरेप भी किया गया। घटना 4 मई की बताई जा रही है। इस घटना से पूरा देश गुस्से से उबल रहा है। मामले में सीएम बीरेन सिंह ने जांच के आदेश दे दिए हैं और दोषियों को कड़ी सजा देने का वादा किया है। लेकिन, इस घटना के बाद सोशल मीडिया पर मणिपुर सरकार के खिलाफ लोगों भड़ास निकाल रहे हैं। सीएम से इस्तीफे की मांग की जा रही है।

इस घटना से आक्रोशित कवि कुमार विश्वास की भी प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने मणिपुर सीएम एन बीरेन सिंह को टैग करते हुए उन पर हमला बोला है। कवि कुमार विश्वास ने ट्वीट किया है, कुर्सी है तुम्हारा ये जनाज़ा तो नहीं है ? कुछ कर नहीं सकते तो उतर क्यों नहीं जाते ?

सोशल मीडिया पर वीडियो बैन

सरकार ने ट्विटर और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को आदेश जारी कर मणिपुरी की दो महिलाओं को नग्न घुमाने के वायरल वीडियो को शेयर न करने का निर्देश दिया है। एएनआई ने सरकारी सूत्रों के हवाले से बताया कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के लिए भारतीय कानूनों का पालन करना अनिवार्य है क्योंकि मामले की अभी जांच चल रही है।

सोते रहे लोग और भूस्खलन में दब गया रायगढ़ का गांव, मलबे से निकले 5 शव; अब भी 50 लोग दबे

रायगढ़। महाराष्ट्र के कई जिलों में भीषण बारिश से हालात खराब हैं। मुंबई में भी भारी बारिश का दौर जारी है। इस बीच बारिश से सबसे ज्यादा प्रभावित रायगढ़ जिले में भीषण हादसा हुआ है। बुधवार की रात को जिले की खालापुर तहसील का इरशालवाड़ी गांव भूस्खलन से धंस गया। यह हादसा उस वक्त हुआ, जब लोग गहरी नींद में सो रहे थे। इसके चलते लोगों को भागने का मौका तक नहीं मिला और घर जमीन में समा गए। फिलहाल बचाव कार्य तेजी से चल रहा है और अब तक 6 लोगों के शव निकाले जा चुके हैं। मरने वालों का आंकड़ा अभी और बढ़ सकता है। रात में हादसा होने की वजह से बचाव कार्य देरी से शुरू हुआ और एनडीआरएफ टीम 2 बजे पहुंच सकी, जबकि हादसा 11 बजे के करीब हुआ था।

यह हादसा इतना भीषण था कि बचाव में जुटे एक शख्स की भी हार्टअटैक से मौत हो गई। कई लोग जख्मी भी हैं, जिन्हें अस्पताल में एडमिट कराया गया है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे भी फिलहाल रायगयढ़ के दौरे पर हैं और राहत एवं बचाव कार्यों की निगरानी कर रहे हैं। इसके अलावा नए बने डिप्टी सीएम अजित पवार भी ऐक्टिव हैं और कंट्रोल रूम पहुंचे हैं। उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बताया कि

अब तक 75 लोगों को बचाया जा चुका है, जो लैंडस्लाइड में दब गए थे। कहा जा रहा है कि गांव में बड़ी संख्या में कच्चे मकान थे, जिसके मलबे में दबने के बाद भी बड़ी संख्या में मौतें नहीं हुईं।

अब भी 50 से ज्यादा लोगों के दबे होने की आशंका

गांव में कुल 160 घर हैं, जिनमें से कुछ को कम नुकसान पहुंचा है। अब भी 50 से ज्यादा लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका है, जिन्हें निकालने के लिए अभियान चल रहा है। रायगढ़ जिले में पहले से ही एनडीआरएफ की टीमों को तैनात कर दिया गया था। इसके अलावा लोगों को भी बचाव रखने की एडवाइजरी जारी की गई थी। अब तक जिन लोगों को बचाया गया है, उनमें तीन बच्चे भी शामिल हैं। यह गांव इरसाल किले की तलहटी पर बसा है, जो चौक से 6 किलोमीटर की दूरी पर है। ठाकुर समुदाय के लोगों की ही इस गांव में अधिक आबादी है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक गांव के 90 फीसदी घर बर्बाद हो गए हैं।

सीएम एकनाथ शिंदे मौके पर, बोले- 80 लोग निकाले गए

यह संकट इसलिए और बढ़ गया क्योंकि सुबह एक बार फिर से भूस्खलन होने लगा। इसके चलते बचाव का काम रोक दिया गया। यही नहीं सुबह अंधेरा होने की वजह से भी बचाव कार्य में बाधा आ रही थी। यह हादसा इतना भीषण था कि डर के मामले बड़ी संख्या में लोग जंगल की ओर भाग गए। बचाव में जुटे लोगों का कहना है कि गांव से भागे लोगों के लौटने पर ही पता लगेगा कि कितने लोग दबे हैं। मौके पर पहुंचे सीएम एकनाथ शिंदे ने कहा कि 18 से 20 घरों पर भूस्खलन हुआ है। उन्होंने कहा कि अब तक 80 लोगों को निकाला जा चुका है और 5 लोगों की दर्दनाक हादसे में मौत हुई है।

भ्रष्टाचार को उजागर करते बाढ़ के बाद के दृश्य

निर्मल रानी

शहरी इलाकों में जलभराव का मुख्य कारण यह भी है कि प्रायः गलियों व सड़कों के निर्माण के नाम पर इन्हें बार बार ऊँचा कर दिया जाता है। इसके चलते अधिकांश मकानों का स्तर गलियों व सड़कों से नीचे हो जाता है। परिणाम स्वरूप जब ऐसी सड़कों व गलियों में बारिश का पानी भरता है तो वह गलियों सड़कों के भरने से पहले ही लोगों के मकानों या दुकानों में भर जाता है। उधर इन्हीं सड़कों व गलियों के किनारे बनने वाली कमजोर व घटिया सामग्री का इस्तेमाल की गयी नालियां टूटने या क्षतिग्रस्त हो जाने से नालियों का पानी जमीन में रिसाव कर लोगों के गली के नीचे स्तर के हो चुके मकानों में जमीन के नीचे से रिसने लगता है।

प्रकृति ने पिछले दिनों हुई बेतहाशा बारिश पर लगाम लगा तो जरूर दी है परन्तु बाढ़ व जल प्रलय की विभीषिका के बाद के भयावह दृश्य व उनके दुष्प्रभाव सामने आने शुरू हो चुके हैं। शासन प्रशासन इन चुनौतीपूर्ण हालात का सामना करने की कोशिश कर रहा है। कई जगह जहां बिजली आपूर्ति बाधित हुई थी सरकारी तंत्रों ने अपने मेहनतकश कर्मचारियों के दिन रात किये गए अथक परिश्रम से विद्युत आपूर्ति को बहाल किया। जहाँ जहाँ जलापूर्ति प्रभावित थी या गंदे पानी की आपूर्ति हो रही थी उसे भी अधिकांश जगहों पर सामान्य किया जा चुका है। और जहाँ नहीं हो सकी है उसके लिये प्रयास जारी हैं। सरकार द्वारा पेय जल प्रदूषित होने के कारण फैलने वाली बीमारी से बचाव के मद्देनजर कई जगहों पर नागरिकों में दवाइयां वितरित करवाने की कोशिश की जा रही है। निचले इलाकों में ठहरे हुये पानी से सड़ांध फैली हुई है इससे बीमारी फैलने की आशंका है। तमाम स्थानों से मवेशियों के मरने व सड़ने की खबरें आ रही हैं। इनसे निपटना भी एक बड़ी चुनौती है। जहाँ जहाँ अंडर पास ओवर फ़्लो हो गये थे वे भी अब खाली हो चुके हैं उनमें जमी गाद भी साफ की जा चुकी है। और जहाँ अंडर पास में डूबने से कोई मर गया था वहां सरकार ने चेतावनी के बोर्ड लगवा दिये हैं। जहाँ जहां रेल लाइनों पर जलभराव के चलते रेल परिचालन बाधित हुआ था उसे दुरुस्त कर रेल आवागमन लगभग नियमित किया जा चुका है।

परन्तु बाढ़ व भारी बारिश की इस विभीषिका ने सरकार व प्रशासन की एक बार फिर पोल खोल कर भी रख दी है। जहाँ जहाँ सड़कों पर जलभराव था वहां अनेक जगहों पर बने गड्ढे इस बात की गवाही दे रहे हैं कि सड़क निर्माण में कितनी घटिया सामग्री का इस्तेमाल किया गया था। ऐसी सड़कों पर अनेक जगहों पर बजरी बाहर निकल आई है जिससे निर्माण में बरती गयी लापरवाही व भ्रष्टाचार का साफ पता चल रहा है। दर्जनों पुल व बाँध टूटने के बाद उनके निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल खड़ा हो रहा है। जिसतरह कई निमार्णाधीन या नवनिर्मित पुल व बाँध इस भीषण तबाही में ध्वस्त हो गये उसी तरह देश में कुछ स्थानों से उस नव निमार्णाधीन रेल लाइनों के नीचे से जमीन धंसने व बहने के भी समाचार हैं जोकि देश के चारों कोने को

जोड़ने के लिये विशेष समर्पित माल ढुलाई गलियारा के नाम से बनाया जा रहा है। अभी इसपर मॉल गाड़ियां भी नहीं दौड़ीं और नई बिछाई गयी रेल लाइनों के नीचे से जमीन भी खिसक गयी ? इस तरह के दृश्य योजना अभियांत्रिकी तथा निर्माण की गुणवत्ता आदि अनेक पहलू से सवाल खड़ा कर रहे हैं।

इसी तरह कई जगहों पर नालों की सफाई जो बारिश से पहले ही की जानी चाहिये वह नहीं हो पाई जिसके चलते शहरी इलाकों में जलभराव हुआ। अनेक बस्तियों में पानी घुस आया। लोगों को भरी क्षति का सामना करना पड़ा। और जब बारिश रुकने के बाद जे सी बी के द्वारा गहरे नालों की सफाई की भी गयी तो अनेक नाले क्षतिग्रस्त हो गये। क्योंकि उनमें घटिया निर्माण सामग्री का प्रयोग हुआ था। और उनमें जमी घास फूस नियमित रूप से साफ नहीं की जा रही थी। सरकार भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस का झूठा ढोल जरूर पीटती रहती है, परन्तु नालों नालियों व सड़कों गलियों के निर्माण की गुणवत्ता स्वयं इस बात का सुबूत है कि इनमें कितना भ्रष्टाचार किया गया है। कई जगहों पर तो नालों नालियों में लगने वाली ईटों को एक दूसरी पर रखकर और बिना सीमेंट से उन्हें जोड़े हुए प्लास्टर कर ढक दिया जाता है। जबकि इस तरह की निर्माण परियोजना में शामिल सरकारी तंत्र व ठेकेदारों का नेटवर्क अपने घरों के निजी निर्माण में उच्च गुणवत्ता बनाये रखने में कोई कसर बाकी नहीं रखता ?

शहरी इलाकों में जलभराव का मुख्य कारण यह भी है कि प्रायः गलियों व सड़कों के निर्माण के नाम पर इन्हें बार बार ऊँचा कर दिया जाता है। इसके चलते अधिकांश मकानों का स्तर गलियों व सड़कों से नीचे हो जाता है। परिणाम स्वरूप जब ऐसी सड़कों व गलियों में बारिश का पानी भरता है तो वह गलियों सड़कों के भरने से पहले ही लोगों के मकानों या दुकानों में भर जाता है। उधर इन्हीं सड़कों व गलियों के किनारे बनने वाली कमजोर व घटिया सामग्री का इस्तेमाल की गयी नालियां टूटने या क्षतिग्रस्त हो जाने से नालियों का पानी जमीन में रिसाव कर लोगों के गली के नीचे स्तर के हो चुके मकानों में जमीन के नीचे से रिसने लगता है। और लोगों के घरेलू सामन का काफी नुक़्सान होता है व भारी परेशानी भी उठानी पड़ती है। जरा सोचिये कि भीषण मंहगाई के इस दौर में जबकि इंसान को दो वक़्त की रोटी के लिये जूझना पड़ रहा हो और उसका जीवन व अस्तित्व ही दांव पर लगा हो ऐसे में वह अपने व अपने परिवार के जीने के लिये मंहगी से मंहगी होती जा रही रोटी का प्रबंध करे,अपने बच्चों को अत्यंत मंहगी हो चुकी शिक्षा दिलाये या फिर सरकारी भ्रष्टाचार व गलत योजनाओं के कारण अपने नीचे हो चुके मकानों को तोड़ कर नया मकान बनवाये ? जोकि आम तौर से बमुश्किल इंसान अपने जीवन में एक ही बार बना पाता है ?

ऐसे में लोगों का यह सवाल पूछना गैर मुनासिब नहीं कि क्या वजह है कि अंग्रेजों यहाँ तक कि उससे पहले मुगलों के समय के बनाये गये पुल अभी भी सुरक्षित हैं और निर्बाध सेवाएं दे रहे हैं? अंग्रेजों व मुगलों के समय बनाई गयी तमाम ऐतिहासिक इमारतों में अभी भी न तो जलभराव होता है न ही उनमें सीलन आती है। उस दौर के शासक तो भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस जैसा न तो ढोल पीटते थे न इस तरह का दवा करते थे। बल्कि केवल ईमानदारी व पूरी दक्षता से अपना काम करते थे। जबकि हमारे देश में जिसे देखो वही अपनी ईमानदारी का ढोल पीटता रहता है। स्वयं को भ्रष्टाचार विरोधी बताता है। परन्तु जब भी बारिश या बाढ़ आती हे उसके बाद के दृश्य सरकारी योजनाओं की कमियों व उनमें व्याप्त भ्रष्टाचार को तत्काल उजागर कर देते हैं।

संपादकीय

एनड़ीए के सामने 'इंड़िया'

लोक सभा चुनाव-2024 में भारतीय जनता पार्टी नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनड़ीए) को कड़ी चुनौती देने के प्रयास में जुटे 26 विपक्षी दलों ने मंगलवार को अपने गठबंधन का नाम 'इंड़ियन नेशनल ड़वलपमेंट इन्क्लूसिव अलायंस' ('इंड़िया') रखने का फैसला किया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की अध्यक्षता में बेंगलुरू में हुई विपक्षी दलों के गठबंधन की दो दिवसीय बैठक में तय किया गया कि 'इंड़िया' का एक संयोजक और ग्यारह सदस्यीय समन्वय समिति होगी। खड़गे ने बैठक के उपरांत बताया कि मुंबई में होने वाली 'इंड़िया' के घटक दलों की अगली बैठक में संयोजक और समन्वय समिति का चयन किया जाएगा। 'इंड़िया' के जवाब में मंगलवार को ही नई दिल्ली में एनड़ीए के 38 घटक दलों ने भी अपनी बैठक में आगामी लोक सभा चुनाव जीतने पर चर्चा की और

एनड़ीए के 25 साल पूरे होने का उत्सव मनाया। बैठक की अध्यक्षता करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंड़िया' के जवाब में कहा कि भारत में गठबंधन की लंबी परंपरा रही है, लेकिन नकारात्मकता के साथ बने गठबंधन कभी सफल नहीं हुए। उन्होंने विपक्षी दलों की बैठक को कट्टर भ्रष्टाचारियों का सम्मेलन बताया। एनड़ीए ने भी अपने नाम के अक्षरों की व्याख्या करते हुए कहा कि 'एन' का मतलब न्यू इंड़िया, 'ड़ी' का मतलब विकसित राष्ट्र तथा 'ए' का मतलब लोगों और क्षेत्रों की आकांक्षाएं हैं। एनड़ीए की बैठक, जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूसरे कार्यकाल की पहली बैठक थी, में कहा गया कि जनता ने एनड़ीए को लगातार तीसरी बार जनादेश देने का मन बना लिया है। बहरहाल, पक्ष और विपक्ष के चुनावी शंखनाद से इतना तो पक्का है कि लोक सभा चुनाव बेहद दिलचस्प रहने वाला है। जिस प्रकार से एनड़ीए छोटे-बड़े.सभी घटक दलों को साथलाने के साथ ही छिटक चुके घटक दलों को भी साथ लाने की कवायद में जुटा है, उससे भाजपा की तैयारियों का अंदाजा लगता है। जिस तरह जोरदार प्रचार के बावजूद भाजपा को कर्नाटक चुनाव में हार का सामना करना पड़ा है, उससे वह कोई जोखिम नहीं लेना चाहती। फिर, इस बार विपक्षी दलों का गठबंधन भी ताकतवर अवतार की शक्ल में उभरता दिखाई दे रहा है। कर्नाटक चुनाव में कांग्रेस की जीत से विपक्ष बेहद उत्साहित है। विपक्ष 'कॉमन वॉर' रूम और हर राज्य में अलग से संयोजक बनाकर 450 सीटों पर साझा प्रत्याशी उतारता है, तो बेशक, भाजपा के सामने कड़ी चुनौती होगी।

चिंतन-मनन

साधना और सुविधा

आसक्ति के पथ पर आगे बढ़ने वाले अपनी आकांक्षाओं को विस्तार देते हैं। उनकी इच्छाओं का इतना विस्तार हो जाता है, जहां से लौटना संभव नहीं है। उस विस्तार में व्यक्ति का अस्तित्व विलीन हो जाता है। फिर वह अपने लिए नहीं जीता। उसके जीवन का आधार पदार्थ बन जाता है। पदार्थ जब मनुष्य पर हावी हो जाए तो समस्या क्यों नहीं होगी? आसक्ति अपने आप में समस्या है। इस समस्या का समाधान पदार्थ के विस्तार में नहीं, संयम में है। संयम के पथ पर वही चल सकता है, जो पदार्थ से विरक्त होने लगता है। जिन लोगों को विरक्ति का पथ प्राप्त है, जो जीवनभर इस पथ पर चलने के लिए कृतसंकल्प हैं, उनके सामने किसी प्रकार का प्रलोभन नहीं होना चाहिए। पदार्थ जीवन की आवश्यकता की पूर्ति का साधन है, यह भाव जब तक प्रबल रहता है, उसके प्रति आसक्ति पैदा नहीं होती। किंतु जब पदार्थ साध्य बन जाता है, तब व्यक्ति का दृष्टिकोण बदल जाता है। बदला हुआ दृष्टिकोण व्यक्ति को स्वच्छंद बनाता है, सुविधावादी बनाता है और उसे संग्रह की प्रेरणा देता है। स्वच्छंदता, सुविधावाद और संग्रहवृत्ति- ये तीन सकार साधना के विघ्न हैं। साधना के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए इनका सीमाकरण करना ही होगा। वैचारिक स्वतंत्रता का जहां तक प्रश्न है, साधना के साथ उसका कोई विरोध नहीं है। पर विचार की स्वतंत्रता की यह अर्थ नहीं है कि व्यक्ति अपनी सीमा, संविधान और परंपरा से विमुख होकर उच्छृंखल बन जाए। उच्छृंखलता या स्वच्छंदता जहां प्रवेश पा लेती है, वहां से अनुशासन, व्यवस्था आदि तत्वों का पलायन हो जाता है। यह स्थिति व्यक्ति और समूह दोनों के लिए हितकर नहीं है। सुविधा के साथ भी साधना का विरोध नहीं है। साधना के नियम जिस सीमा तक स्वीकृति देते हैं, उस सीमा में सहज रूप से कोई सुविधा प्राप्त होती हो तो उसका उपयोग सम्मत है। जैन साधना पद्धति में शरीर को साधने का विधान तो है, पर उसे कष्ट देना कभी अभीष्ट नहीं है।

मणिपुर में हुई घटना से भारत सारी दुनिया में शर्मसार

सनत जैन

मणिपुर में 4 मई को 2 कुकी युवतियों को निर्वस्त्र करके भीड़ ने सड़कों पर निवस्त्र करके घुमाया। सैकड़ों लोगों की भीड़ ने युवतियों को घेरकर उनके आंतरिक अंगों के साथ खुलेआम छेड़छाड़ कर रही थी। उन्हें सार्वजनिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा था। उनके साथ गैंगरेप किया गया। युवती का भाई बहन को बचाने के लिए आया। भीड़ ने उसकी भी हत्या कर दी। यदि इसका वीडियो सामने नहीं आता, तो कोई भी इस घटना पर कभी विश्वास नहीं कर पाता। इस घटना के बाद से ही मणिपुर आग में जल रहा है। लगभग 3 महीने होने को आ रहे हैं। पुलिस द्वारा इतनी बड़ी घटना को कई महीने दबाकर रखा गया। पुलिस ने एफआईआर अज्ञात व्यक्तियों के नाम पर लिखकर आरोपियों पर वीडियो वायरल होने तक कोई कार्यवाही नहीं की। जिसके कारण कुकी और मेतई समुदाय के बीच में अविश्वास बढ़ा। पुलिस प्रशासन, जिला प्रशासन और सरकार के खिलाफ अविश्वास और नाराजी फैली। जिसके कारण आज तक मणिपुर शांत नहीं हो पा रहा है। मणिपुर के मुख्यमंत्री मैतई समुदाय के हैं। जो मणिपुर राज्य का बहुसंख्यक वर्ग है। मुख्यमंत्री द्वारा अपराधियों को खुलेआम संरक्षण दिया जा रहा है। जिसके कारण पुलिस, सेना और स्वास्थ्य कर्मी भी अब कुकी और मेतई समुदाय में बंट चुके हैं। एक समुदाय दूसरे के इलाके में जाकर ड्यूटी नहीं कर पा रहे हैं। मणिपुर में डबल एंजिन की सरकार है। प्रधानमंत्री की कुर्सी में कद्दावर नेता नरेंद्र मोदी बैठे हुए हैं। गृहमंत्री के रूप में सर्व शक्तिमान अमित शाह विराजमान हैं। भाजपा के वीरेन सिंह मणिपुर के मुख्यमंत्री है। उनके द्वारा अपनी ही जाति समुदाय के लोगों को संरक्षण दिए जाने से कुकी भयभीत और नाराज हैं। कुकी समुदाय वहां पर अल्पसंख्यक है। उसके ऊपर खुलेआम हमले हो रहे हैं। सैकड़ों गिरजाघर और कई मंदिर वहां पर जला दिए गए। शासन-प्रशासन वहां ढ़ाई महीने से तमाशा देख रहा है। 4 मई की इस घटना का जब वीडियो वायरल हुआ। उसके बाद मणिपुर के 5 जिलों में एक बार फिर तनाव फैल गया। वहां पर पूर्ण कालिक कर्फ्यू लागू किया गया है। पिछले ढाई महीने से यहां पर इंटरनेट बंद है। मणिपुर में राज्यपाल के रूप में आदिवासी महिला अनुसुइया उइके विराजमान हैं। उन्हीं के रहते हुए नगा आदिवासी समुदाय के ऊपर अमानुषिक अत्याचार हो रहे हैं। महिलाओं को नंगा घुमाकर उनके साथ गैंगरेप की घटना पर पुलिस द्वारा पिछले ढाई महीने में किसी आरोपी को गिरफ्तार नहीं किया गया। बहुसंख्यक समुदाय को संरक्षण दिए जाने के कारण, मणिपुर की स्थिति बेकाबू हो गई है। जिसने भी वायरल वीडियो को देखा है। उसकी आंखें शर्म से झुक गई। उसे विश्वास ही नहीं हो रहा है, कि यह भारत की घटना है। प्रधानमंत्री और सत्ता पक्ष के लोग मणिपुर की घटना को लेकर पिछले कई महीनों से मौन साध कर बैठे हुए हैं। कोई भी हिंदू समुदाय, महिलाओं के साथ इस तरह का अमानवीय और अमानुषिक अत्याचार कर सकता है? लोग तो यह भी कहने लगे हैं,कि तालिबान में भी ऐसा कुछ नहीं हुआ। जो भारत में अब धर्म के नाम पर हो रहा है। मणिपुर में जो घटना हुई है उसके बारे में कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। भारतीय सनातन हिंदू संस्कृति, इस स्तर पर पहुंच जाएगी। हिंदू बहुसंख्यक समाज ने मणिपुर में करके दिखा दिया है। मणिपुर में डबल इंजन की सरकार आरोपियों को बचाने का प्रयास पिछले 2 महीने से कर रही है। यही हिंसा का सबसे बड़ा कारण है। केंद्र सरकार ने मणिपुर में इतनी भारी हिंसा होने के बाद भी, अभी तक मुख्यमंत्री को केंद्र सरकार ने बर्खास्त नहीं किया है। पुलिस ने आरोपियों को बचाने के लिए 1000 अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। वीडियो वायरल होने तक, एक भी आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार नहीं किया था। वीडियो वायरल होने के बाद एक आरोपी को आनन-फानन में पुलिस ने गिरफ्तार किया है। सबसे बड़े आश्चर्य की बात है, कि न्यायपालिका इस मामले में इतने लंबे समय तक चुप्पी साध कर बैठी है। न्यायपालिका का भारत में स्वर्णिम इतिहास रहा है। जब जब सरकारें अति करने लगती हैं। न्यायपालिका ने स्वयं संज्ञान लेकर, इस तरह के मामले में न्याय प्रक्रिया के माध्यम से लोगों के मौलिक अधिकारों और उनके संरक्षण के लिए आदेश करने में कभी कोई गुरेज नहीं किया था। मणिपुर की हाईकोर्ट सैकड़ों लोगों की मौत हो जाने के बाद भी क्या कर रही थी। सुप्रीम कोर्ट ने भी इन ढाई महीनों में क्या किया। इसकी जवाबदारी न्यायपालिका को भी लेनी होगी। भारत के संविधान में न्यायपालिका को सर्वोच्चता पर रखा गया है। न्यायपालिका की चुप्पी, यह साबित कर रही है, कि उसके ऊपर सरकार का दबाव और भय है। न्यायपालिका अब सरकार का बचाव करती नजर आती है। न्यायपालिका सरकार की जिम्मेदारी बताकर अपना पल्ला झाड़ लेती है। जबकि न्यायपालिका की भी जवाबदेही इस मामले में तय की जानी चाहिए। हजारों लाखों वर्षों के इतिहास में ऐसी कोई घटना का उल्लेख भारत में नहीं है। जिसमें एक समुदाय विशेष के लोग दूसरे समुदाय की युवतियों को निर्वस्त्र कर सरेआम सड़कों पर घुमाएं, उनके यौन अंगों से छेड़छाड़ कर उससे गैंगरेप करे। जिस युवती का गैंगरेप हुआ है। वह जिंदा है, या मर गई, इसका भी पता नहीं है। सर्वजन हिताय और सर्वजन सुखाय संस्कृति के इस देश में,ऐसा दिन देखना पड़ेगा। इसको लेकर नाग?रिकों के पास आश्चर्य के साथ शर्मसार होने के अलावा अन्य कोई विकल्प बचा नहीं है। यदि यही हाल रहा, तो ना भारत में अल्पसंख्यक सुरक्षित हैं। ना बहुसंख्यक सुरक्षित हैं। भीड़ तंत्र के घेरे में जो भी फंसेगा, उसका मरना तय है। भारत में न्यायपालिका जीवित होती, पुलिस द्वारा समय पर कार्रवाई की जाती तो कानून का राज बना रहता। वर्तमान में बहुसंख्यक हिंदू समाज, जो भीड तंत्र का हिस्सा बना, इससे हजारों युवकों का जीवन बर्बाद हो जाएगा। सत्ता में बैठे लोग, सत्ता के लिए, सत्ता में बने रहने के लिए,ना अपना देखते हैं,ना पराया देखते हैं। वह तो सत्ता में बने रहने के लिए जो भी करना पड़े,वह कर डालते हैं। मणिपुर में दो समुदायों के बीच में जो हिंसा हो रही हैं। उसको देखने के बाद यही लगता है कि भारत में अब लोकतंत्र के स्थान पर हम राजतंत्र की ओर बढ़ रहे हैं।

दिल्ली मेट्रो की चोरी-चकारी से रुक रही रफ्तार

सुशील देव

दिल्ली की 'लाइफ लाइन' कही जाने वाली मेट्रो ट्रेन अगर 10 मिनट रुक जाती है, तो लोग परेशान हो उठते हैं। मानो, उनकी सांसें अटक जाती हों। जल्द पहुंचने की व्याकुलता से वे भर उठते हैं।

कई बार हुआ है जब बाधित मेट्रो की वजह से यात्रियों को घंटों इंतजार करना पड़ा है। हालांकि इसकी वजह कई हैं। मगर हाल के दिनों में केबल की तार चोरी होने के कारण मेट्रो बाधित होने के सबसे अधिक मामले देखे गए हैं, जो चिंताजनक हैं।

हाल में वैशाली-कौशांबी मेट्रो स्टेशन के बीच पटरी से 70 मीटर की सिग्नल केबल चोरी हो गई, जिसके कारण मेट्रो बाधित हुई। कंट्रोल रूम से सिग्नल नहीं मिलने पर मेट्रो की टीम ने जांच की तो पता चला कि चोरों ने मध्य रात्रि में पटरी के नीचे लगे सिग्नल केबल को जगह-जगह से काटकर चुरा लिया। गनीमत रही कि रात में मेट्रो संचालन बंद रहता है वरना बड़े हादसे से इनकार नहीं किया जा सकता था।

सवाल मेट्रो की सुरक्षा से खिलवाड़ का है। रह-रह कर कई बार केबल के तार चोरी हो जाते हैं। कड़ी सुरक्षा में भी चोर किस तरह से यहां सेंधमारी कर लेते हैं, इसकी रोकथाम के लिए गहन चिंतन की आवश्यकता है। कहा जा रहा है कि मेट्रो स्टेशन के पास पेड़ों, टूटी दीवारों या रस्सियों के सहारे चोर पिलर के माध्यम से पटरी तक पहुंच जाते हैं, और अक्सर

ट्रेन सर्विस बंद होने के बाद रात को तार काटने वाले गिरोह सक्रिय हो जाते हैं।

हालांकि वैशाली-कौशांबी की केबल चोरी की घटना के बाद सुरक्षाकर्मियों ने चौकसी बढ़ा दी है। वहां चारों तरफ कांटेदार तार लगा दिए गए हैं। सुरक्षा के लिए दो गार्ड भी तैनात कर दिए गए हैं। लेकिन क्या, इतना भर कर देने से इस तरह की चोरियां रु क जाएंगी? मेट्रो की पटरियों में सिग्नल व्यवस्था के लिए प्रयोग की जाने वाली केबल के तारों की चोरी रोकना दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन के लिए बड़ी चुनौती बन गई है। इसके लिए वह कई जतन कर रही है, जिनमें कॉपर वाले एस बॉन्ड को स्टील वायर से रिप्लेस कर रही है। हालांकि, मेट्रो में केबल की चोरी की समस्या दिल्ली ही नहीं, बल्कि न्यूयॉर्क, लंदन और ऑस्ट्रेलिया में चलने वाली मेट्रो की भी है। वहां भी तार की चोरी की समस्या से मेट्रो प्रशासन हलकान रहता है।

कितनी घटिया बात है कि चंद पैसों के लिए चोर मेट्रो के यात्रियों का सफर खराब करते हैं। उनका समय बर्बाद करते हैं। न जाने लोग किन जरूरतों से किसी गंतव्य के लिए निकलते हैं। कौन सा आकस्मिक कार्य है। लेकिन चोरों की करतूतों के कारण मेट्रो में सफर करने वाले लाखों लोग मिनटों में परेशान हो जाते हैं। कई बार हो चुका है जब केबल चोरी की वजह से घंटों यहां तक कि दिन भर सेवाएं प्रभावित रही हैं। ऐसे में मेट्रो को कई दफा मैन्युअल मोड पर चलाने के लिए मजबूर होना पड़ा। ऐसी घटनाएं मेट्रो की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल उठाती हैं। दिल्ली मेट्रो की ब्ल्यू लाइन द्वारका-वैशाली-नोएडा इलेक्ट्रॉनिक सिटी सेक्शन पर केबल चोरी होने के कारण कुछ दिन पहले दिन भर सेवाएं बाधित रहीं। इससे पहले यमुना बैंक और इंद्रप्रस्थ मेट्रो के बीच जुलाई, 2022 में केबल चोरी की घटना हुई थी जिसके कारण मेट्रो में कई बार खराबी आ चुकी है, और लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा है।

फरवरी में आईजीआई एयरपोर्ट के पास मेट्रो के निर्माण कार्य के लिए मंगाया गया सरिया चोरी हो गया। आईजीआई एयरपोर्ट पर निर्माण कार्य के लिए रखे गए लोहे के सामान की चोरी का मामला सुलझा भी नहीं था कि ताजा मामला विकासपुरी का आ गया। वहां मेट्रो के निर्माण कार्य के लिए मंगाया गया 200 किलो सरिया चोरी का मामला सामने आ गया। यह ट्रक से ही गायब हो गया था। एयरपोर्ट पर 100-200 किलो नहीं, बल्कि 35000 किलो वजन के लोहे के सामान पर चोरों ने हाथ साफ कर दिया। चोरी एक-दो महीने के लंबे समय से की जा रही थी। दिसम्बर, 2021 में नोएडा इलेक्ट्रॉनिक सिटी और नोएडा सेक्टर 62 मेट्रो स्टेशन की केबल काट ली गई थी। नेटवर्क में तत्काल दिक्कत आ गई और मेट्रो बाधित हो गई। सारे यात्री परेशान हो उठे थे।

आखिर, मेट्रो किस तरह से अपनी सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता करे? यह बड़ा सवाल है! एक तरफ चाकू, कंघी, खैनी, बीड़ी, शराब, माचिस आदि वस्तुओं की एंट्री के दौरान सख्ती से जांच की जाती है, तो दूसरी तरफ इतनी ढिलाई क्यों? ऐसे में किसी दिन कोई बड़ी दुर्घटना घट सकती है। अपराधी कोई बड़ी साजिश रच सकते हैं। इसलिए मेट्रो प्रशासन को और चाक-चौबंद होने की जरूरत है। ऐसी घटनाओं की आंतरिक जांच होनी चाहिए। सीसीटीवी फुटेज खंगाल कर आरोपियों को पकड़ा जाना चाहिए। जहां-जहां तकनीकी खामियां हैं, उन्हें दुरु स्त किया जाना चाहिए। मेट्रो पिलर में कांटेदार तार लगाना, सीसीटीवी कैमरों को बढ़ाना या फिर रात में मेट्रो गश्त बहाल किया जाना इसके उपाय हो सकते हैं, लेकिन इसके लिए मेट्रो को अपने आंख-कान खुले रखते हुए खुद से ही संकल्प लेना पड़ेगा।

मुख्तार अंसारी की केस डायरी से फोरेंसिक रिपोर्ट लापता

गाजीपुर में 33 साल पहले फर्जी लाइसेंस बनवाने पर हुई एफआईआर, वाराणसी की एमपी-एमएलए कोर्ट में सुनवाई

वाराणसी। माफिया मुख्तार अंसारी के खिलाफ पांच मामलों में सजा सुनाए जाने के बाद कई मुकदमों में पैरवी तेज हो गई है। लगभग 33 साल पुराने फर्जी शस्त्र लाइसेंस के मामले की केस डायरी से फोरेंसिक रिपोर्ट लापता हो गई है। केस ट्रायल के दौरान फोरेंसिक रिपोर्ट की मूल प्रति नहीं होने से कई सवाल खड़े हो गए। यह पहला मामला नहीं है, जब मुख्तार की केस डायरी से कोई दस्तावेज गायब हुआ हो। कोर्ट ने संज्ञान लेते हुए दूसरी प्रति तलब की है। 19 जून को अभियोजन अधिकारी ने एक हस्तलिखित लैब रिपोर्ट की प्रति कोर्ट में प्रस्तुत की। साथ ही, कोर्ट से संज्ञान लेने की अपील की। वाराणसी की MP-MLA कोर्ट ने रिपोर्ट पर सुनवाई के लिए 25 जुलाई की तारीख तय की है। मामला 1990 में गाजीपुर सदर कोतवाली में दर्ज है। इसमें मुख्तार अंसारी और शस्त्र लिपिक सहित अन्य लोगों के खिलाफ फर्जी शस्त्र लाइसेंस जारी करने के मामले में धोखाधड़ी और आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। इस केस में मुख्तार की डिस्चार्ज एप्लीकेशन खारिज हो चुकी है। अब गवाही के बाद केस जजमेंट की ओर जा रहा है। केस दर्ज होने के बाद अधिकारियों के हस्ताक्षर की जांच विधि विज्ञान प्रयोगशाला महानगर लखनऊ में हुई थी। 1993 में जांच की हस्तलिखित लैब रिपोर्ट यानी फोरेंसिक रिपोर्ट केस डायरी में शामिल की गई थी, जो पिछले दिनों लापता हो गई। गाजीपुर में मुख्तार

अंसारी की ओर से शस्त्र लाइसेंस की पत्रावली फर्जी रूप से तैयार की गई। इसमें पुलिस अधीक्षक यानी एसपी की संस्तुति संदिग्ध पाई गई। यही नहीं, तत्कालीन डीएम आलोक रंजन का फर्जी हस्ताक्षर बनाया गया है। तत्कालीन जिलाधिकारी आलोक रंजन ने मुख्तार को शस्त्र लाइसेंस जारी करने से इनकार किया। मामले की विवेचना के बाद मुख्तार अंसारी और अन्य के खिलाफ धारा 467, 468 और 471 आईपीसी, धारा-30 आयुध अधिनियम के अंतर्गत आरोप पत्र प्रस्तुत किया गया था। मुख्तार अंसारी की पत्रावली विशेष न्यायालय MP-MLA में सुनवाई की जा रही है। 2021 में मुख्तार अंसारी की ओर से रिलीज पिटीशन दाखिल की थी, इसमें कहा गया कि उनके विरुद्ध कागजातों को तैयार कराने के संबंध में कोई साक्ष्य जुटाया नहीं गया है। धारा 30 आयुध अधिनियम के अंतर्गत 6 माह की सजा का प्रावधान है। जबकि आरोप पत्र उसके बाद प्रस्तुत किया गया है।

इसलिए उनको दोनों मामलों में डिस्चार्ज कर दिया जाए। वहीं अभियोजन ने प्रार्थना पत्र का विरोध करते हुए कहा कि संपूर्ण प्रक्रिया में अभियुक्त की सहभागिता और आपराधिक षड्यंत्र था, अपराध को पूर्णता प्रमाणित पाया गया। कोर्ट ने सुनवाई के बाद आरोप विरचित करने का आधार पर्याप्त पाते हुए मुख्तार अंसारी की रिलीज पिटीशन खारिज कर दी थी और मामले की सुनवाई वाराणसी MP-MLA कोर्ट में शुरू कर दी। देश में जब कहीं भी कोई अपराध होता है या कोई ऐसी घटना होती है, जिसके पीछे साजिश होने का शक हो, ऐसे में पुलिस सच जानने के लिए फोरेंसिक जांच का सहारा लेती है। पुलिस की ओर से जुटाए गए सबूतों को जांच के लिए फोरेंसिक लैब भेजा जाता है। मुख्तार के खिलाफ दर्ज मामलों की फाइलों की कमी नहीं है, जिनका खुलासा फोरेंसिक जांच से ही किया गया।

संक्षिप्त डायरी

अंतर्राष्ट्रीय संत श्री अरविंद जी महाराज, के सानिध्य में श्रीराम कथा की कलश यात्रा में छलका राम भक्ति का रस

संवाददाता

रामेश्वरम। भारत के चार धामों में से एक,श्री रामेश्वरम धाम में भक्तों के साथ पहुंचे अंतर्राष्ट्रीय संत श्री अरविंद जी महाराज। महाराज जी,श्री राम कथा का दि.17 से 23 जुलाई,वरदनी महल में करेंगे वाचन। महाराज जी के साथ मध्य प्रदेश एवं आगरा से बहुत सारे भक्त गए हैं। बालाजी धाम परिवार एवं हरे राम हरे कृष्ण परिवार ट्रस्ट द्वारा आयोजित श्रीराम कथा के तहत सोमवार को भव्य कलश यात्रा निकाली गई,जिसमें पीत वस्त्र पहने,सिर पर कलश लिए बड़ी संख्या में भक्तगण शामिल हुए। यात्रा में भक्ति का अनुपम रस बरसा और भगवान श्रीराम के जयघोषों से माहौल गूंजायमान हो गया। मार्ग में जगह-जगह कलश यात्रा का स्वागत किया गया।

कलश यात्रा की अगुवाई..पूज्य गुरुदेव संत श्री अरविंद जी महाराज, साथ मे आदरणीय अभिषेक भाई जी कर रहे थे। ये भव्य कलश यात्रा,वरदनी महल,कथा स्थल से प्रारंभ होकर,लक्ष्मण कुंड और लक्ष्मणेश्वर महादेव के दर्शन करते हुए, कथा स्थल पर पहुंची। पूज्य गुरु जी के सानिध्य में श्री राम कथा के मुख्य आयोजक राजेश जी मारवाड़ी(गुना) मध्यप्रदेश,एवं मुख्य यजमान श्री किशोर जी,अनीता जी,अनूप जी,डॉली जी सपरिवार,भव्य कलश यात्रा में अग्रिम पंक्ति में मुख्य रूप से शामिल थे। ये भव्य कलश,शोभायात्रा,वरदनी महल से निकाली गई। कलश यात्रा में सैकड़ों की संख्या में भक्तगण,माताएं,बहिनें पदयात्रा कर रही थीं। एक ही ड्रेस कोड में पुरुष जयघोष करते हुए चल रहे थे। महिलाओं की लम्बी कतार थी,जिसमें वे पीले परिधान व लाल चुनरी पहने हुई थीं। उनके द्वारा भजन गाए जा रहे थे। शोभायात्रा पवित्र मार्ग लक्ष्मण कुंड एवं लक्ष्मणेश्वर महादेव मंदिर से होती हुई, कथा स्थल वरदनी महल,जहां कलशों की स्थापना की गई,वहां पहुंची। वहां काफी देर तक महिलाओं ने नृत्य करते हुए,भजन कीर्तन गाए।

मैनपुरी में कार में दबंगों ने लगाई आग

मैनपुरी । कोतवाली क्षेत्र में कार में आग लगाने का एक वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें नकाबपोश बाइक सवार दबंग घर के बाहर खड़ी कार में आग लगा देते हैं। फिलहाल आग लगाने और कार के जलने का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी के साथ वायरल हो रहा है। मामले में कार के मालिक ने अज्ञात दबंग नकाबपोश के खिलाफ कोतवाली में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। बताया जा रहा है कि कुछ दबंगों द्वारा कार मालिक को पहले भी धमकी दी गई थी, जिस मामले को लेकर पुलिस ने कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की। इसके चलते दबंगों ने इस कार में आगजनी की घटना को अंजाम दिया है। फिलहाल पुलिस तहरीर के आधार पर कार्रवाई की बात कह रही है। वायरल वीडियो का मामला मैनपुरी सदर कोतवाली क्षेत्र के आवास विकास कॉलोनी के सेक्टर 3 से जुड़ा बताया जा रहा है। यहां के निवासी कार मालिक अक्षय यादव ने पुलिस को अज्ञात लोगों के खिलाफ तहरीर दी है। उन्होंने बताया कि उनकी कार बीते रात घर के बाहर खड़ी हुई थी तभी दो नकाबपोश व्यक्ति बाइक पर सवार होकर आए और उन्होंने उनके घर के बाहर खड़ी कार में आग लगा दी और मौके से भाग गए। दोनों ही नकाबपोश व्यक्ति घटना को अंजाम देते समय सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गए। इसका सीसीटीवी फुटेज में वायरल हो रहा है।

फिलहाल पुलिस ने तहरीर के आधार पर जांच कर कार्रवाई की बात कह रही है। बताया यह भी जा रहा है कि कुछ दबंगों द्वारा कार मालिक को पहले धमकी भी दी गई थी जिसकी उसने संबंधित थाने पर शिकायत की थी, लेकिन पुलिस के कार्रवाई न करने के चलते दबंगों ने इस घटना को अंजाम दिया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुटी हुई है।

मां के कत्ल में बेटी और उसके पति को सजा

कानपुर । बेवा मां के कत्ल के 6 साल पुराने मामले में सजा सुनाई गई है। अदालत ने बेटी और उसके शौहर को दोषी पाते हुए आजीवन कारावास और 25-25 हजार रुपए जुमार्ने की सजा सुनाई। बेटी ने मां को बिना बताए निकाह कर लिया। वह मां को निकाह मानने के लिए राजी कर रही थी, लेकिन उन्होंने इंकार कर दिया। इस पर दोनों ने साजिश के तहत वारदात को अंजाम दिया था। अदालत के फैसले के बाद दोनों को जेल भेज दिया गया। जाजमऊ के सफीपुर इलाके में रहने वाली सरोजनी साहू बेवा थी। उनकी एक बेटी ज्योति थी। जिसे उन्होंने बड़े लाड-प्यार से पाला था। सरोजनी ने पिता की कमी भी महसूस होने नहीं दी थी। सरोजनी को कोई दिक्कत न हो। इसके लिए भाई राम प्रसाद और मनोज उसका आर्थिक सहयोग करते थे। ज्योति का जाजमऊ निवासी मोईन अली से प्रेम संबंध हो गए थे। मां सरोजनी और मामा राम प्रसाद ने उसको समझाया कि मोईन आवारा प्रवृत्ति का है। उससे संबंध तोड़ लो, लेकिन ज्योति उसके प्यार में इस कदर दीवानी थी कि उसने संबंध नहीं खत्म किए। बल्कि उसने मां को बिना बताए 28 अगस्त 2017 को मुस्लिम धर्म अपना कर माहिरा नाम से मोईन से निकाह कर लिया। इसके बाद भी वह मां के साथ रहती थी। वह मां को निकाह की बात बताए बिना मोईन से शादी का दबाव बना रही थी। 18 अक्टूबर 2017 को मामा राम प्रसाद सरोजनी के घर जाकर भांजी को दोबारा समझाया, लेकिन उसने शादी की जिद नहीं छोड़ी। अगले दिन सुबह राम प्रसाद ने हालचाल लेने के लिए कई फोन किए, लेकिन फोन नहीं उठा। शक होने पर राम प्रसाद घर गए तो देखा कि पहली मंजिल में सरोजनी की लाश पड़ी है। उसके मुंह में तकिया रखी है। उन्होंने भांजी ज्योति को आवाज दी, लेकिन वह घर पर नहीं थी। पोस्टमार्टम में शरीर पर चोट के निशान और तकिया से मुंह दबाकर हत्या करने की पुष्टि हुई थी। मां ने बचने के लिए संघर्ष भी किया था, लेकिन बेटी को तरस नहीं आया। पुलिस ने जांच की तो ज्योति और उसके प्रेमी मोईन का नाम प्रकाश में आया।

यूपी में महंगी होगी बिजली!

कंपनियां 15 अगस्त तक फाइल करेंगी प्रस्ताव, 3 करोड़ 28 लाख उपभोक्ताओं पर होगा असर

लखनऊ। पावर कॉर्पोरेशन अपने उपभोक्ताओं को महंगी बिजली का झटका देने की तैयारी कर रहा है। इसके लिए सभी बिजली कंपनियां प्रस्ताव तैयार कर रही है। इस बार 15 अगस्त से पहले यह प्रस्ताव फाइल कर दिया जाएगा। इसमें नियामक आयोग के सामने कंपनियां बिजली बिल बढ़ोतरी को लेकर प्रस्ताव बनाएंगी। पावर कॉर्पोरेशन के निदेशक वाणिज्य ने सभी बिजली कंपनियों को निर्देश जारी कर दिए हैं।

बताया जा रहा है कि यह प्रस्ताव जून 2023 के बढ़ोतरी, डिमांड और सप्लाई के हिसाब से भेजा जाएगा। यूपी में बिजली के 3 करोड़ 28 लाख उपभोक्ता है। काफी सालों बाद ऐसा होने जा रहा है कि बिजली बिल बढ़ोतरी का प्रस्ताव कंपनियां अगस्त के महीने में ही फाइल कर रही हैं। आमतौर पर पहले यह प्रस्ताव दिसंबर या जनवरी के महीने में दिया जाता रहा है। हालांकि इस बार जनवरी में दिया गया प्रस्ताव खारिज हो गया था। इसके खिलाफ कंपनियां पहले ही दिल्ली के आयोग में प्रत्यावेदन दे चुकी हैं। ऐसे में अब आयोग में एक और प्रस्ताव लाने का मतलब है कि बिजली बिल बढ़ाने को लेकर शासन स्तर पर भी तैयारी तेज कर दी गई है। यूपी के अंदर बिजली दर पिछले चार साल से नहीं बढ़ा है। आयोग में लगातार प्रस्ताव खारिज होता रहा है। हालांकि कोविड के दौरान दो साल तक बिजली बिल बढ़ाने का सवाल नहीं उठ रहा था लेकिन उसके बाद भी बिजली दर बढ़ाने के प्रस्ताव को खारिज किया जाता रहा है। अगस्त के महीने में प्रस्ताव देने के पीछे पावर कॉरपोरेशन के निर्देशक वाणिज्य ने हवाला दिया है कि अक्सर प्रक्रिया में देरी की वजह से बिजली कंपनियों पर अर्थदंड लगाया जाता है। साथ ही दूसरी कटौतियां भी की जाती हैं।

जानकारों का कहना है कि कॉर्पोरेशन के इस कदम को जल्द बिजली दरें बढ़ाने का प्रयास मान रहे हैं। कंपनियों के खिलाफ उपभोक्ता

परिषद ने भी अपनी तैयारी शुरू कर दी है।

उप्र राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश वर्मा का कहना है कि इसके खिलाफ वह भी प्रत्यावेदन दाखिल करेंगे। इसक' हर स्तर पर विरोध किया जाएगा। परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने कहा कि अगर बिजली कंपनियां 15 अगस्त तक बिजली दर बढ़ोतरी प्रस्ताव दायर करती हैं तो उपभोक्ता परिषद इसका विरोध करेगा।

10 फीट रोज पीछे खिसक रही गंगा आरती की जगह

वाराणसी । 88 घाटों पर बाढ़ का कहर 1 लाख से ज्यादा लोगों को प्रभावित करेगा। दशाश्वमेध घाट की विश्व प्रसिद्ध गंगा आरती को 10 फीट पीछे खिसका दिया गया है। रोज 10-20 फीट आरती की जगह पीछे हट रही है। अब घाटों के पंडा पुरोहित, नाविक, मछुआरे, आरती आयोजक, दीया-बाती और माला-फूल के दुकानदार गंगा की उफान मारती लहरों से डरे-सहमे हैं। अब रोज ये लोग 10 कदम पीछे हट रहे हैं। केंद्रीय जल आयोग के अनुसार, गुरुवार सुबह 8 बजे तक जलस्तर 63.48 मीटर आ गया था। जबकि, बुधवार की सुबह 10 बजे गंगा का जलस्तर 62.88 मीटर था। 24 घंटे में 60 सेंटीमीटर पानी बढ़ा है। गंगा का जलस्तर वॉर्निंग लेवल से करीब पौने सात मीटर नीचे है। हर घंटे करीब 20 मिलीमीटर गंगा का जलस्तर बढ़ रहा है। महाश्मसान मणिकर्णिका घाट के दूसरे रैंप से लकड़ियां अब ऊपर की ओर शिफ्ट की जा रहीं हैं।

सबसे निचला रैंप गंगा में डूब चुका है। अब शवदाह दूसरे और तीसरे रैंप के साथ ही बाबा मसाननाथ मंदिर के ऊपर वाली छत पर हो रहा है। हालांकि गंगा का जलस्तर बढ़ने से पहले भी यहां शवदाह होता रहा है। गंगा में स्नान करने वाले कांवड़ियों पर जल पुलिस विशेष नजर रख रही है। नाविकों को गंगा पार आने-जाने पर मनाही है। बता दें कि अगस्त और सितंबर दो महीने वाराणसी के 88 घाटों पर बाढ़ का कहर रहेगा। न तो गंगा के घाट दिखेंगे और न ही नौकाएं चलेंगी। बाढ़ का गाद हटते-हटते अक्टूबर आ जाएगा। वाराणसी में गंगा का जलस्तर इतना बढ़ जाता है कि गंगा का पानी घाटों को पार कर सड़कों और गलियों में भरने लगता है। सड़कों पर नाव चलने लगती हैं। मणिकर्णिका घाट के छतों पर भी बड़ी मुश्किल से शवदाह हो पाता है। सारे मंदिर डूब जाते हैं। विश्वनाथ कॉरिडोर में पानी पहुंच जाता है। हालांकि, वो स्थिति अभी एक महीने तक नहीं आने वाली है। मणिकर्णिका घाट पर लकड़ी के व्यवसायी सुनील सोनकर ने कहा कि हम लोग घाटों की सीढ़ियों पर पड़ी लकड़ियों को ऊपर ला रहे हैं। हालांकि, अभी पानी इतना नहीं बढ़ा है कि घाट पर दबाव पड़े। मई-जून के बाद से हर दिन 150 से ज्यादा शव जलाए जा रहे हैं। इसमें किसी प्रकार की कमी नहीं आई है। हताहत वाली स्थिति तो अगले महीने ही आएगी। दशाश्वमेध घाट के फूल विक्रेता शिव साहनी का कहना है कि हम लोग अब रोज 10-20 कदम पीछे ही हट रहे हैं। पानी जैसे-जैसे बढ़ेगा, हम लोग पीछे यानी ऊपरी सीढ़ियों पर चढ़ते चले जाएंगे। गंगा का पानी फिर 2 से 3 महीनों तक हमारा रोजगार छिन जाएगा। हम लोग बेरोजगारी का दंश झेलेंगे। नाविकों का कहना है कि बरसात के 2 महीने हम लोग भूखमरी के कगार पर पहुंच जाते हैं। नाव चलाने पर प्रतिबंध रहता है। कुछ नहीं रहता तो फिर मछलियां मारकर पेट चलाना पड़ता है। नाव न चलने से हमें बाहर मजदूरी करनी पड़ जाती है।

छह वर्ष में उत्तर प्रदेश में साढ़े पांच करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आए: सीएम योगी

● सीएम योगी ने गुरुवार को मिशन रोजगार के तहत लोकभवन में आयोजित निष्पक्ष एवं पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के अंतर्गत चयनित कुल 700 नवनियुक्त अधिकारियों के नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम को किया संबोधित ● सीएम योगी ने कहा- भ्रष्ट और बेईमान लोग छह वर्ष पहले तक उत्तर प्रदेश को खोखला बनाने में जुटे थे ● सीएम बोले- देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है यूपी ● उत्तर प्रदेश में प्रति व्यक्ति आय दोगुनी हुई है: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश ऐसे ही पिछड़ा नहीं था। जगह-जगह बेईमान और भ्रष्ट लोगों को नमूनों के रूप में बैठा दिया गया था, जो पूरे उत्तर प्रदेश को खोखला बनाने में लगे हुए थे। भ्रष्टाचार पर बड़ा प्रहार करने के लिए हमें तैयार रहना होगा। जातिवाद, भ्रष्टाचार और भेदभाव विकास के सबसे बड़े बाधक हैं। उन्होंने कहा कि विगत छह वर्ष में उत्तर प्रदेश के अंदर साढ़े पांच करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आए हैं और सामान्य जीवन जी रहे हैं। नीति आयोग के आंकड़े इस बात के गवाह हैं कि उत्तर प्रदेश बीमारू राज्य की श्रेणी से बाहर आकर देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। उत्तर प्रदेश में प्रति व्यक्ति आय दोगुनी हुई है। यूपी वन ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी बनने की ओर बढ़ चुका है। यह एक सामूहिक प्रयास से संभव हो पाया है। सीएम योगी ने गुरुवार को मिशन रोजगार के तहत लोकभवन में आयोजित निष्पक्ष एवं पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के अंतर्गत चयनित कुल 700 नव नियुक्त अधिकारियों के नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि छह वर्ष पहले उत्तर प्रदेश के युवाओं के सामने पहचान का संकट था। युवाओं को अपने आपको उत्तर प्रदेश का बताने में शर्म आती थी। हमारी सरकार में स्थितियां बदली हैं। आज का युवा गर्व से खुद को उत्तर प्रदेश का नागरिक बताता है। यूपी विकास की प्रक्रिया के साथ तेजी से आगे बढ़ रहा है। इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में बेहतर कार्य हो रहा है। गरीब कल्याण की योजनाएं पूरे प्रदेश के अंदर प्रभावी ढंग से लागू हुई हैं। उत्तर प्रदेश की जनता को सरकार से जो अपेक्षाएं थी, उस पर हम खरे उतर रहे हैं। यह तब संभव हो पाया जब शासन, प्रशासन और हर कार्मिक ने मिलकर प्रयास किया। सीएम योगी ने कहा कि आयुर्वेद घोटाले के बाद आयुष विभाग में बरसों से पद लंबित पड़े थे। पूरी प्रक्रिया बाधित हो गई थी। आज 422 आयुष चिकित्सा अधिकारियों की यहां नियुक्ति हो रही है। हम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आभारी हैं कि उन्होंने आयुष को एक नई पहचान दी है। अब आपका दायित्व बनता है कि हेल्थ और वेलनेस सेंटर को गति प्रदान करते हुए आयुष विभाग के कार्यों में तेजी लाएं। उन्होंने नव नियुक्त अधिकारियों का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि आपकी सेवा का कालखंड 30-35 वर्ष है। इस दौरान आप जितना अधिक संवेदनशील बनकर ईमानदारी से मेहनत करेंगे आपको उतनी अधिक आत्मसंतुष्टि मिलेगी। सीएम योगी ने कहा कि हमें 25 करोड़ की जनता को ध्यान में रखकर उनके कार्य करना है और उनकी अपेक्षाओं पर हमें खरा उतरना है। आप उत्तर प्रदेश के लिए अच्छा कार्य करेंगे तो उत्तर प्रदेश भी आपको पहचान दिलाएगा और आगे बढ़ने के लिए एक अवसर प्रदान करेगा। नियुक्ति विभाग में 39 डिप्टी कलेक्टर, गृह विभाग में 93 पुलिस उपाधीक्षक, खाद्य एवं रसद विभाग में सात खाद्य विपणन अधिकारी/जिला पूर्ति अधिकारी, वित्त विभाग में 12 कोषाधिकारी/लेखाधिकारी, नगर विकास विभाग में 10 अधिशासी अधिकारी श्रेणी-1/सहायक नगर आयुक्त/कर निर्धारण अधिकारी, राजस्व विभाग में 44 तहसीलदार, आयुष विभाग में 422 चिकित्साधिकारी, भू-तत्व एवं खनिकर्म निदेशालय में 53 प्राविधिक सहायक/खान अधिकारी/खान निरीक्षक, राज्य संपत्ति विभाग में पांच व्यवस्थाधिकारी/व्यवस्थापक, खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड में 15 प्रबंधक/विशेष कार्याधिकारियों को नियुक्ति पत्र वितरित किया गया। कार्यक्रम में वित्त मंत्री सुरेश खन्ना, नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा, खादी एवं ग्रामोद्योग मंत्री राकेश सचान, राजस्व राज्य मंत्री अनूप प्रधान बाल्मीकि, आयुष विभाग के राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार दयाशंकर मिश्र दयालु मौजूद रहे।

सड़क हादसे में दो लोगों की मौत

नई दिल्ली। बाहरी उत्तरी जिले के अलीपुर थाना इलाके के बकौली हाईवे पर बीती देर रात एक सड़का हादसा हो गया। इस घटना में 2 लोगों की मौत हो गई है। मृतकों की पहचान पहचान प्रमोद और जोगेंद्र सिंह के रूप में हुई है। पुलिस केस दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। डीसीपी रवि कुमार सिंह ने बताया कि बीती देर रात करीब 12 बजे अलीपुर थाना पुलिस को सूचना मिली कि बकौली हाईवे पर दो व्यक्ति अचेत अवस्था में पड़े हुए हैं। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया है। बताया जा रहा है कि घटना के वक्त दोनों सड़क पार कर रहे थे तभी ये हादसा हुआ है। जांच में पता चला है कि जोगेंद्र और प्रमोद दोनों ही दोस्त अलीपुर थाना इलाके के बकौली में किसी काम से आए थे। फिलहाल पुलिस केस दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

जाफराबाद में युवक की हत्या की गुत्थी सुलझी, पिता-पुत्र धरे गए

नई दिल्ली। शाहदरा जिले के जाफराबाद थाना इलाके में गत 17 जुलाई को सलमान नामक युवक की चाकू घोंपकर हत्या में शामिल आरोपितों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इस घटना में एक शख्स और उसका नाबालिग बेटा शामिल था। हालांकि एक अन्य आरोपित अभी भी फरार चल रहा है।

दरअसल, जाफराबाद इलाके के कल्याण सिनेमा के पास चौहान बांगर गली नंबर 2 में सलमान नामक युवक की हत्या चाकू से गोदकर कर दी गई थी। इस मामले में पुलिस ने हत्या के आरोपित मंजूर और उसके नाबालिग बेटे को पकड़ा है। मंजूर का एक अन्य बेटा मोहसिन अभी फरार है। पुलिस मोहसिन को पकड़ने के लिए जगह-जगह छापेमारी कर रही है। पुलिस के मुताबिक आरोपित मंजूर ने पुलिस को बताया कि सलमान की उसकी 19 वर्षीय बेटी के साथ दोस्ती थी। वह इस रिश्ते से खुश नहीं था और उसने सलमान को उसकी बेटी का पीछा न करने को कहा। उसने घटना से एक हफ्ते पहले उसे समझाया भी था। घटना से दो दिन पहले मंजूर के नाबालिग बेटे और उसके दोस्तों ने सलमान को रोककर उसकी बाइक की चाबी भी ले ली थी।

मंजूर ने बताया कि इतना समझाने के बावजूद सलमान पर इन बातों का कोई असर नहीं हो रहा था। यही वजह रही कि उसने अपने दो बेटों के साथ उसकी हत्या की योजना बनाई। इसके बाद 17 जुलाई को शाम साढ़े पांच बजे के करीब कल्याण सिनेमा के पास सलमान की चाकू घोंपकर हत्या कर दी। पुलिस ने आगे बताया कि मृतक सलमान के पोस्टमार्टम के दौरान उसके शरीर पर चाकू के आठ घाव पाए गए थे। छाती और गर्दन पर भी घातक चोट थी।

दो कारों में टक्कर, दबंग कार चालक ने पीड़ित को बोनट पर बैठाकर की मारपीट, गिरफ्तार

नोएडा। थाना फेस-3 क्षेत्र के डीएस चौराहे पर हुए एक सड़क हादसे में दो पक्षों में मारपीट हो गई। एक कार चालक ने तेजी और लापरवाही से वाहन चलाते हुए दूसरी कार में टक्कर मार दी। जब पीड़ित ने विरोध किया तो कार चालक उसे बोनट पर बैठा कर ले गया तथा उसके साथ जमकर मारपीट की। घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। यह घटना सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुई है। थाना फेस-3 के प्रभारी निरीक्षक विजय कुमार ने बताया कि प्रवेश कश्यप ने बीती रात को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह रात 10 बजे के करीब अपनी कार में सवार होकर चार मूर्ति की तरफ जा रहे थे। तभी डीएस चौराहे के पास पीछे से आ रही एक कार ने उनकी कार में टक्कर मार दिया। कार अर्जुन यादव निवासी ग्राम परथला चला रहा था। उन्होंने बताया कि टक्कर मारने के बाद आरोपी ने उसके साथ गाली-गलौज करनी शुरू कर दी, तथा उसे बोनट पर बैठाकर काफी दूर तक ले गया और उसके साथ मारपीट की। उन्होंने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। इस घटना की वीडियो सोशल मीडिया पर बीती रात को जमकर वायरल हुई।

पीडब्ल्यूडी मंत्री ने राजघाट-शांतिवन क्षेत्र में चल रहे कार्यों का किया निरीक्षण

नई दिल्ली। यमुना में आई बाढ़ के कारण राजघाट-शांति वन, आईटीओ व रिंग रोड पर हुए जल जमाव को दूर करने के लिए सार्वजनिक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) सहित दिल्ली सरकार की विभिन्न एजेंसियां व एमसीडी काम कर रही हैं। बुधवार को पीडब्ल्यूडी मंत्री आतिशी ने यहां चल रहे जल-निकासी के काम का निरीक्षण किया।

इस दौरान आतिशी ने कहा कि राजघाट व यहां मौजूद अन्य सभी स्मारकों में बाढ़ के बाद जलजमाव की समस्या उभरी है। उन्होंने कहा कि लगभग 250 एकड़ का ये पूरा परिसर एक कटोरनुमा आकार का है और यहां बाढ़ के बाद पानी रुक चुका है। उन्होंने कहा कि राजघाट एक राष्ट्रीय महत्व का स्मारक है और देश दुनिया से लोग यहां आते है। ऐसे में इस पूरे परिसर से बाढ़ के रुके हुए पानी को निकालने के लिए केंद्र सरकार, दिल्ली सरकार और एमसीडी की सभी एजेंसियां साथ मिलकर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि पूरे परिसर से जल्द से जल्द पानी निकाला जा सके इसके लिए पीडब्ल्यूडी ने यहां बड़ी संख्या में पम्प लगाए हैं और दिन-रात लगातार जल-निकासी का काम जारी है। हालांकि आईटीओ फ्लाईओवर के समीप बाढ़ के कारण हुए जलजमाव लगभग खत्म हो चुका है और सड़क को ट्रैफिक के किए शुरू कर दिया गया है। साथ ही बाढ़ के कारण आये कीचड़ को भी सड़क से हटाने का काम भी तेज़ी से जारी है। आतिशी ने कहा कि रिंग-रोड का यह हिस्सा मध्य दिल्ली की महत्वपूर्ण सड़क है और यहां से प्रतिदिन लाखों वाहन गुजरते हैं। ऐसे में यहां से आवाजाही करने वालों को समस्या न हो इस दिशा में पीडब्ल्यूडी हर जरूरी काम कर रही है।

मणिपुर की शर्मनाक घटना पर स्वाति मालीवाल ने लिखा पीएम मोदी-सीएम बिरेन को खत

रखी तीन मांगें

नई दिल्ली। नई दिल्ली, ऑनलाइन डेस्क। देश के पूर्वोत्तर में स्थित मणिपुर राज्य में बीते ढाई महीने से ज्यादा समय से जातीय हिंसा का दौर जारी है। इस बीच में वहां से एक ऐसा वीडियो आया है जिसने हर किसी को हिलाकर रख दिया है। इस वीडियो में दो महिलाओं को निर्वस्त्र कर रास्ते में घुमाते देखा जा सकता है।

इस भयावह और शर्मनाक वीडियो के सामने आने के बाद से पूरे देश में आक्रोश है। इस पर दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने कड़ा विरोध जताते हुए देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मणिपुर सीएम बिरेन सिंह को खत लिखा है और कई कड़े कदम उठाने की अपील की है।

स्वाति मालीवाल ने पीएम और मणिपुर के मुख्यमंत्री को पत्र लिखते हुए तीन कदम उठाने की मांग रखी है-

मणिपुर में हिंसा खत्म करने के लिए सख्त कदम उठाए जाएं।

वीडियो में दिख रहे पुरुषों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएं जिन्होंने महिलाओं के साथ अभद्रता की।

मणिपुर सीएम मुझे राज्य के दौरे की अनुमति दें ताकि मैं पीड़ितों और उनके परिवारों से बात कर सकूं। मैं सरकार को एक फैक्ट फाइंडिंग रिपोर्ट सरकार को सौंपना चाहती हूं ताकि महिलाओं के साथ जितने भी यौन शोषण के मामले हुए हैं उस पर कार्रवाई हो।

पर्यावरण मंत्री ने पुराने लोहे वाले पुल के पास बाढ़ राहत शिविरों का किया दौरा

नई दिल्ली। दिल्ली में बाढ़ प्रभावित लोगों को किसी भी असुविधा से बचाने के लिए दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बुधवार को शाहदरा जिले में पुराने लोहे वाले पुल के पास स्थित बाढ़ राहत शिविरों का सघन निरीक्षण किया। इस अवसर पर राजस्व विभाग,दिल्ली पुलिस ,स्वास्थ्य विभाग, एमसीडी, वन विभाग , पीडब्लूडी, आईएन्डएफसी आदि विभाग के अधिकारी मौजूद रहे। राहत शिविर में उपयुक्त मेडिकल सुविधाएं और साफ सफाई देखी गई। बाढ़ प्रभावित लोगों ने दिल्ली सरकार द्वारा प्रदान की जा रही सुविधाओं पर सकारात्मक प्रतिक्रिया जताई। इस दौरान सांपो की समस्या से निजात पाने के लिए वन विभाग की रैपिड रिस्पांस टीम भी मौके पर मौजूद रही। राहत शिविरों का जायज़ा लेने के बाद पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने संवाददाता सम्मेलन कर बताया की पिछले कई दिन से दिल्ली में

बारिश नहीं हो रही है और यमुना नदी का जल स्तर भी धीरे-धीरे कम हो रहा है। लेकिन राहत शिविरों में रह रहे लोगो के क्षेत्र में अभी भी पानी का स्तर नीचे नहीं गया है और वहां अभी भी गाद और कीचड़ फैला हुआ है। इसी के चलते आज उन्होंने शाहदरा जिले के पुराने लोहे वाले पुल के पास स्थित राहत शिविर का दोबारा जायज़ा लिया।

उन्होंने बताया की आपदा प्रभावित लोगो के लिए सरकार के रूप में हमारी जिम्मेदारी है की इससे प्रभावित होने वाले लोगों को की मदद करे और उन्हें हर जरुरी सुविधाएं मुहैया करवाए। इसी के चलते बाढ़ प्रभावित लोगों के राहत उपायों को सुनिश्चित करने के लिए हमने आज बाढ़ राहत शिविर का दोबारा दौरा किया और पाया कि बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए उपयुक्त मेडिकल सुविधाएँ ,खाना, पानी ,अतिरिक्त टेंट, शिविरों में साफ़ सफाई की व्यवस्था कर दी गई है। इन शिविरों में लोगों की सुविधा के लिए दरी और गद्दें की भी व्यवस्था की गई है। साथ ही बाढ़ प्रभावित लोगों ने केजरीवाल सरकार द्वारा मुहैया करायी जा रही सुविधाओं पर भी सकारात्मक प्रतिक्रिया जताई है। वहीं गोपाल राय ने लोगो सांप को न मारने के लिए अनुरोध किया गया। उन्होंने बताया कि रैपिड रिस्पांस टीम ने अभी तक 30 सांप का रेस्क्यू कर पकड़ लिया है। उसको सुरक्षित स्थान पर छोड़ दिया जायेगा।

नोएडा में भसीन बिल्डर के खिलाफ दो लोगों ने दर्ज कराया मुकदमा

नोएडा। थाना बीटा-2 में दो व्यक्ति ने भसीन बिल्डर के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया है। पीड़ितों का आरोप है कि दुकान देने के नाम पर बिल्डर और उसके साथियों ने उससे लाखों रुपए की रुपए की ठगी व धोखाधड़ी की है। थाना बीटा-2 के प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार मिश्रा ने बताया कि राजवीर सिंह नामक व्यक्ति ने भसीन इन्फोटेक एंड इन्फ्राट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड व इसके निदेशक सत्येंद्र सिंह भसीन, हरप्रीत सिंह, रमेश शर्मा को नामित करते हुए मुकदमा दर्ज करवाया है। पीड़ित का आरोप है कि उन्होंने उक्त बिल्डर से एक दुकान खरीदी थी, जिसकी कीमत 46,67,375 रूपए तय की गई थी।

पीड़ित के अनुसार उसने अपने सारे भुगतान एग्रीमेंट की शर्तों के अनुसार नियमित रूप से किया। पीड़ित के अनुसार आरोपियों ने उसको अपने झांसे में लेकर मूल आवंटित दुकान की जगह दूसरी दुकान दी, तथा उसे करीब 48 लाख रुपए ले लिए, लेकिन उसे दुकान पर कब्जा नहीं दिया। उन्होंने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना प्रभारी ने बताया कि इसके अलावा बृजभूषण शर्मा ने भी भसीन इन्फोटेक एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के 7 लोगों की नामित करते हुए थाने में धोखाधड़ी सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज करवाया है।

दिल्लीवासियों के लिए राहत की खबर, खतरे के निशान से नीचे आया यमुना का जलस्तर

नई दिल्ली। यमुना में पानी कम होने लगा है। बृहस्पतिवार सुबह एक बार फिर से यह खतरे के निशान से नीचे आ गया है। 10 जुलाई के बाद दूसरी बार यमुना के जलस्तर में इतनी कमी आई है। मंगलवार देर शाम आठ बजे जलस्तर खतरे के निशान 205.33 से नीचे पहुंचा था। बुधवार सुबह सात बजे यह फिर से यह खतरे के निशान को पार कर 205.35 मीटर पर पहुंच गया। उसके बाद पूरे दिन इसमें बढ़ोतरी होती रही। शाम सात बजे यह 205.83 मीटर तक पहुंचा। इससे राजधानी में एक बार फिर से जलभराव का खतरा उत्पन्न हो गया था।

जलभराव की समस्या बढ़ने का खतरा टला

बुधवार शाम आठ बजे से ही पानी के स्तर में गिरावट शुरू हो गई थी। सुबह छह बजे तक यह नीचे गिरकर 205.43 मीटर तक और आठ बजे खतरे के निशान से नीचे 205.30 मीटर पर आ गया। इससे दिल्ली के निचले इलाके में जलभराव की समस्या बढ़ने का खतरा फिलहाल टल गया है।

अधिकारियों का कहना है कि पिछले दिनों हथनीकुंड बैराज से छोड़े गए ज्यादा पानी और उत्तरी क्षेत्र में हो रही वर्षा के कारण जलस्तर बढ़ा है। अब हथनीकुंड से दिल्ली की ओर कम पानी छोड़ा जा रहा है। बुधवार रात 10 बजे के बाद प्रति घंटे 30 हजार क्यूसिक से भी कम पानी छोड़ा जा रहा है।

इससे दिल्ली में स्थिति सुधर रही है। यमुना के आइटीओ बैराज के बंद गेट खोलने की कोशिश जारी है। अबतक पांच में से दो गेट ही खोले जा सके हैं। सेना, नौसेना और हरियाणा सरकार के सिंचाई व बाढ़ नियंत्रण विभाग की टीम इस काम में लगी हुई है।

दिल्ली के रोहिणी में जिम के ट्रेडमिल में दौड़ा करंट, वर्कआउट कर रहे युवक की मौत

नई दिल्ली। रोहिणी में जिम के अंदर वर्कआउट करते वक्त ट्रेडमिल में करंट आने से नौजवान युवक की दर्दनाक मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक, करंट लगने की घटना केएनके मार्ग पर स्थित जिम की है। मृतक की पहचान सक्षम (24 वर्षीय) के रूप में की गई है।

करेंट की चपेट में आया युवक

स्थानीय पुलिस ने बताया कि ट्रेडमिल में वर्कआउट करने के दौरान एक युवक करंट की चपेट में आ गया। जिसे बेहोशी की हालत में बीएसए अस्पताल लाया गया था। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल में पोस्टमार्टम करवाया गया है। एमएलसी और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर मामला दर्ज किया गया है। जांच के दौरान आरोपित को पकड़ लिया गया है। आगे की जांच जारी है।

मल्टीनेशनल कंपनी में थे इंजीनियर

सक्षम, बहन व माता पिता के साथ रोहिणी सेक्टर 19 में रहते थे। सक्षम के पिता महेश कुमार ने बताया कि सक्षम गुरुग्राम स्थित मल्टीनेशनल कंपनी में इंजीनियर थे। वह तीन-चार महीने से जिम कर रहे थे।मंगलवार सुबह सात बजे वह जिम करने के लिए गए थे।

ट्रेडमिल मशीन में था करंट

एक घंटे बाद आठ बजे उन्हें फोन पर जानकारी मिली कि सक्षम जिम में बेहोश होकर गिर गया है। जब वह अंबेडकर अस्पताल पहुंचे तो पता चला कि सक्षम को करंट लगा है। इसके बाद उन्होंने पुलिस को जानकारी दी। पुलिस ने जांच की तो पाया कि ट्रेडमिल मशीन में करंट था। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज कब्जे में लेकर जिम मालिक अनुभव दुग्गल को गिरफ्तार कर लिया है

बच्चा खिलाने के लिए लाए बच्ची से कराने लगे घर के काम! गलती होने पर महिला पायलट और पति करता था क्रूरता

नई दिल्ली। पश्चिमी दिल्ली के द्वारका में घरेलू कामकाज के लिए घर में रखी गई 10 वर्षीय बच्ची के साथ दरिंदगी का मामला प्रकाश में आया है। दंपती बच्ची को छोटी-छोटी बातों पर पीटते थे और इस्त्री (आयरन) से झुलसा दिया। आरोपित महिला इंडिगो एयरलाइंस में पायलट है और उसका पति एक निजी एयरलाइंस में ग्राउंड स्टाफ है।

बच्ची के शरीर पर मिले चोट और जलने के निशान

द्वारका साउथ पुलिस ने आरोपित कौशिक बागची और उसकी पत्नी पूर्णिमा के खिलाफ प्राथमिकी कर गिरफ्तार कर लिया है। दंपती द्वारका के सेक्टर-8 में किराये के फ्लैट में रहता है। पुलिस का कहना है कि दंपती के घर के पास पीड़ित पक्ष को जानने

वाली एक महिला घरेलू सहायिका काम करती है। उसने ही दंपती के कहने पर बच्ची को घरेलू काम के लिए रखवाया था। बच्ची दंपती के घर पर ही रहती थी। बच्ची को दंपती के छोटे बच्चे की देखरेख के लिए रखा गया था। बाद में उससे अन्य कामकाज भी लिए जाने लगे। आरोप है कि काम के दौरान गलतियां होने पर दंपती बच्ची को डांटने और पीटते थे। एक बार कपड़ों पर सही इस्त्री न करने पर बच्ची जला दिया गया। बच्ची के शरीर पर चोट और जलने के निशान मिले हैं।

ऐसे पता चली घटना

स्थानीय लोगों ने बताया कि एक दिन सुबह बालकनी में आरोपित महिला बच्ची की पिटाई कर रही थी। तभी वहां से गुजर रही एक किशोरी की नजर बच्ची पर पड़ गई। बच्ची को पिटता देख उसने उसे आवाज लगाई और कहा कि आप नीचे आ जाओ। इस पर बच्ची ने कहा कि वह नीचे नहीं आएगी, दीदी मारेगी।

लोगों का कहना है कि जब बच्ची ने नीचे आने से मना कर दिया तो किशोरी ने आरोपित महिला से बच्ची को पीटने का कारण पूछा। इस पर महिला ने किशोरी को बीच में न आने की चेतावनी दी। इस बीच वहां से अर्धसैनिक बल का एक जवान गुजरा, जिसने बच्ची की रोने की आवाज सुनी। तब तक वहां आसपास के लोग भी जुट गए थे।

बच्ची की पिटाई की बात सुनकर लोग गुस्से में आ गए और महिला से कहा कि बच्ची को वह बाहर निकाले। महिला मना करती रही। इसके बाद कुछ लोग अंदर गए और बच्ची को घर से बाहर निकालकर पुलिस को सूचना दे दी। लोगों ने आरोपित दंपती को पीटा भी। पूरे प्रकरण में इंडिगो ने बयान जारी कर कहा है कि प्रसारित वीडियो में दिख रही कर्मी को ड्यूटी से हटा दिया गया है। मामले की जांच जारी है।

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो में किशोरी समेत कुछ महिलाएं आरोपित महिला और उसके पति की पिटाई कर रही हैं। आरोपित महिला माफी मांग रही है, लेकिन महिलाएं कुछ भी सुनने को तैयार नहीं हैं। महिला का पति कह रहा है कि मत मारो, इसकी जान जा सकती है। एक बुजुर्ग महिलाओं को समझाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन उनकी कोई नहीं सुन रहा है। वीडियो में आरोपित महिला पायलट की वर्दी में नजर आ रही है।

मणिपुर के वायरल वीडियो का एनसीडब्ल्यू ने लिया संज्ञान, डीजीपी को लिखा पत्र

नई दिल्ली। मणिपुर में दो महिलाओं को निर्वस्त्र कर घुमाने की घटना का राष्ट्रीय महिला आयोग ने संज्ञान लेते हुए पुलिस महानिदेशक को सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। गुरुवार को आयोग की अध्यक्ष ने इस घटना की निंदा करते हुए दोषियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ वीडियो के प्रसार की अनुमति देने के लिए आयोग ने ट्विटर को भी नोटिस भेजा है। राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष रेखा शर्मा ने बताया कि मुख्य आरोपित को गिरफ्तार कर लिया गया है और शाम तक और भी दोषियों की गिरफ्तारी की संभावना है। हमने ट्विटर को भी अपने प्लेटफॉर्म पर ऐसे वीडियो के प्रसार की अनुमति देने के खिलाफ नोटिस दिया है। यह वास्तव में चौंकाने वाली घटना है। आयोग ने इस पर तुरंत संज्ञान लिया है। उन्होंने कहा कि राजस्थान और मणिपुर से ऐसी कई घटनाएं सामने आ रही हैं। दोनों घटनाओं के लिए राज्य के प्रशासन के साथ लगातार संपर्क किया जा रहा है। इन घटनाओं के आरोपितों को सजा दी जाएगी। उल्लेखनीय है कि मणिपुर में हिंसा के बीच अब एक वीडियो वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में दो महिलाओं को निर्वस्त्र कर घुमाते दिखाया गया है। साथ ही वहां खड़ी भीड़ महिला के साथ हाथापाई भी कर रही है। इसके साथ भीड़ के कुछ लोग महिला के साथ अभद्रता करते भी दिखाई दे रहे हैं। इसके बाद महिलाओं के साथ दुष्कर्म होने की बात भी कही जा रही है।

प्रभारी मंत्री ने की बाढ़ पीड़ितों से मुलाकात, परखीं सुविधाएं, अफसरों को दी हिदायत

नोएडा। गौतमबुद्ध नगर जिले के प्रभारी मंत्री एवं लोक निर्माण विभाग के राज्यमंत्री बृजेश सिंह ने मंगलवार को जिले के बाढ़ प्रभावित गांवों और राहत केंद्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने बाढ़ प्रभावित लोगों को मिलने वाली सुविधाओं की जांच की और बाढ़ राहत केंद्रों में प्रवास कर रहे लोगों से सुविधाओं के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने अफसरों को बाढ़ प्रभावित लोगों को हरसंभव मदद उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। मंत्री ने नोएडा के सेक्टर 135 में बनाई गई अस्थाई गौशाला का भी निरीक्षण किया। वहां रेस्क्यू कर गोवंश को रखा गया है। उन्होंने गोशाला की व्यवस्था पर संतोष जाहिर किया। बृजेश सिंह ने सेक्टर 135 के नगली वाजीदपुर एवं तहसील

जेवर के फलैंदा में बनाए गए बाढ़ राहत केंद्रों में राहत चौपाल की अध्यक्षता करते हुए कहा कि इस प्राकृतिक आपदा में जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन के अधिकारी बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों से रेस्क्यू अभियान चलाकर प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा रहे हैं और सभी को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करा रहे हैं। प्रभारी मंत्री ने कहा कि अभी यमुना का जलस्तर कम हो रहा है, लेकिन अगले 72 घंटों में वर्षा के कारण दोबारा से यमुना एवं हिंडन नदी के जलस्तर में वृद्धि हो सकती है। इसीलिए सभी अधिकारी अलर्ट मोड पर रहें। निरीक्षण के दौरान सांसद डॉ. महेश शर्मा, दादरी विधायक तेजपाल नागर, जेवर के विधायक धीरेंद्र सिंह, जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा, पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त डायरी

वाहन की टक्कर से मासूम की मौत

नोएडा । निठारी ब्लड बैंक के पास वाहन ने टक्कर ने नौ साल के मासूम को टक्कर मार दी। राहगीरों की मदद से पुलिस ने बच्चे को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसकी मौत हो गई। निठारी के जहरुद्दीन ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनका छोटा बेटा समजानी रविवार सुबह दूध लेने के लिए पास वाले किराने की दुकान पर गया था। जब वह लौट रहा था तभी ब्लड बैंक के पास अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मारकर बच्चे को घायल कर दिया। समजानी तीन भाइयों में सबसे छोटा था और दूसरी कक्षा में पढ़ता था। जिस समय हादसा हुआ बच्चे के माता-पिता कूड़ा बीनने गए थे। पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगाल रही है ताकि संबंधित वाहन और चालक की पहचान कर आगे की कार्रवाई की जा सके। घटना के बाद से परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है।

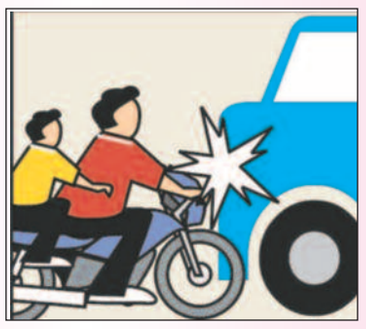

नोएडा में युवक ने जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या की

नोएडा। उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर जिले के कासना थाना क्षेत्र के कासना गांव में किराये के मकान में रहने वाले 25 वर्षीय एक युवक ने मानसिक तनाव के चलते 12 जुलाई को कथित तौर पर जहरीला पदार्थ खा लिया। एक पुलिस अधिकारी के मुताबिक, युवक को गंभीर हालत में जिम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान सोमवार रात उसकी मौत हो गई। कासना थाने के प्रभारी निरीक्षक संतोष कुमार शुक्ला ने बताया कि सीतापुर का मूल निवासी संजय कुमार लंबे समय से अवसाद से ग्रस्त था और उसने 12 जुलाई को जहरीला पदार्थ खा लिया। शुक्ला के मुताबिक, संजय को बेहद गंभीर हालत में ग्रेटर नोएडा स्थित जिम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां इलाज के दौरान सोमवार रात उसने दम तोड़ दिया। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच कर रही है।

वाहन चोर गिरोह का सरगना दबोचा

नोएडा । सेक्टर-24 पुलिस ने मंगलवार को सेक्टर-12/22/56 टी प्वाइंट के पास से वाहन चोर गिरोह के सरगना को गिरफ्तार किया। आरोपी की निशानदेही पर चोरी के सात दोपहिया वाहन, दो फर्जी नंबर प्लेट और चाकू बरामद हुए हैं। इसमें पांच बाइक और दो स्कूटी शामिल हैं। आरोपी रेकी करने के बाद सुनसान जगहों और बाजारों से वाहन उड़ाता था। आरोपी की पहचान गाजियाबाद के खोड़ा कॉलोनी के राहुल उर्फ लेफ्टी के रूप में हुई है। थाना प्रभारी ने बताया कि एक व्यक्ति ने दस जुलाई को सेक्टर-12 के जेड ब्लॉक से बाइक चोरी होने की सूचना दी थी। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे खंगालने के बाद बाइक चोरी करते आरोपी की तस्वीर मिली। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए एक टीम गठित की गई। फुटेज और अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्यों के दौरान आरोपी की पहचान की गई। मंगलवार को जब वह चोरी की फिराक में नोएडा आया तो पुलिस ने उसे चेकिंग के दौरान गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में राहुल ने बताया कि वह अपने साथी जीतन के साथ मिलकर एनसीआर में रेकी कर वाहनों की चोरी करता है। राहुल के साथी जीतन की तलाश जारी है। बरामद बाइक और स्कूटी को आरोपी ने नोएडा के अलग-अलग थाना क्षेत्र से चोरी किया था। चोरी का विरोध करने पर लोगों को डराने के लिए आरोपी अपने पास चाकू रखता था।

बहुराष्ट्रीय कंपनी के साथ समझौता

ग्रेटर नोएडा। गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी और नेक्स्ट जेन लाइफ साइंसेज कंपनी (एनजीएलएस) के साथ मंगलवार को एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इस साझेदारी का उद्देश्य जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देना और समाज के लाभ के लिए अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देना है।

जेल में प्रोजेक्ट साकार का आयोजन

ग्रेटर नोएडा। जिला कारागार में निरूद्ध बंदियों के गुण एवं व्यक्तित्व सुधार हेतु जीएल बजाज कॉलेज द्वारा इंण्डिया विजन फाउडेशन के सहयोग से प्रोजेक्ट साकार का आयोजन किया गया। जिला कारागार के कौशल विकास केन्द्र में आयोजित इस कार्यक्रम के अंतर्गत जीएल बजाज की टीम ने खाना बनाना एवं वाहन धुलाई का प्रशिक्षण दिया।

बिल्डर और फ्लैट खरीदारों की समस्या

ग्रेटर नोएडा। बिल्डरों की संस्था क्रेडाई ने अपनी और फ्लैट खरीदारों की समस्याओं को लेकर ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ से मुलाकात की। उन्होंने बिल्डरों के सामने आ रही समस्याओं को रखा और उनके समाधान की मांग की। कहा कि अगर समस्याओं का समाधान हो गया तो खरीदारों को फ्लैट जल्दी मिल जाएंगे। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ रवि कुमार एनजी ने कामकाज शुरू कर दिया है। मंगलवार को बिल्डरों के संस्था क्रेडाई के पदाधिकारियों ने सीईओ से मुलाकात की। इसमें क्रेडाई के चेयरमैन मनोज गौड़, एटीएस के गीतांबर आनंद और अन्य पदाधिकारी शामिल थे। मनोज गौड़ ने अधूरे पड़े प्रोजेक्ट को पूरा करने में बिल्डरों के सामने आ रही समस्याओं को रखा। उन्होंने कहा कि कहीं पर किसानों के चलते प्रोजेक्ट अटके हैं तो कहीं पर ओसी-सीसी के चलते खरीदारों को कब्जा नहीं मिल पा रहा। अगर इन समस्याओं का समाधान हो जाए तो खरीदारों को समय पर फ्लैट मिल सकते हैं। मनोज गौर ने कहा कि सीईओ ने बिल्डरों की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना और उनके समाधान का भरोसा दिया। उन्होंने कहा कि इन सब मुद्दों को लेकर वह संबंधित अधिकारियों के साथ चर्चा कर रहे हैं। जल्द ही इनका हल निकाला जाएगा। ग्रेटर नोएडा में फ्लैट खरीदार अपने घर का इंतजार कर रहे हैं। कुछ खरीदारों को कब्जा नहीं मिल पाया है तो कुछ खरीदार ऐसे हैं जो अपने फ्लैट में रह रहे हैं। लेकिन, मालिकाना हक नहीं मिला है। उनकी रजिस्ट्री अभी तक नहीं हो पाई है। यह मुद्दा सबसे बड़ी चुनौती है।

निवेश पर मुनाफा देने का झांसा देकर 2.47 लाख ठगे

नोएडा। साइबर अपराधी ने निवेश पर चार गुना मुनाफा कमाने का लालच देकर युवती से दो लाख 47 हजार रुपये ऐंठ लिए। जब युवती पर और रकम निवेश करने का दबाव बनाया जाने लगा तो उसे ठगी की आशंका हुई। पीड़िता की शिकायत पर सेक्टर-58 पुलिस मामले की जांच कर रही है। रसूलपुर नवादा गांव की मौसमी कुमारी ने पुलिस को शिकायत दी है कि कुछ दिन पहले साइबर अपराधी ने उनसे संपर्क किया तथा पार्ट टाइम जॉब करने का झांसा दिया। उसने शुरूआती दौर में उन्हें कुछ लाभ दिया, जिससे उन्हें भरोसा हो गया। इसके बाद निवेश के नाम पर उसने उनसे खाते में दो लाख 47 हजार रुपये डलवा लिए। इससे पहले उसने उनको एक टेलीग्राम ग्रुप में जोड़ा था, जिसमें ठग गिरोह के ही सदस्य थे। संबंधित सदस्य ग्राहक बनकर ग्रुप पर निवेश कर भारी मुनाफा कमाने का स्क्रीनशॉट साझा कर रहे थे ताकि युवती को झांसे में लेकर निवेश कराया जा सके। निवेश की रकम वापस मांगने पर जालसाज ने युवती का नंबर ब्लॉक कर दिया और उसे टेलीग्राम ग्रुप से भी बाहर कर दिया। थाना प्रभारी ने बताया कि केस दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है। नाइजीरियन गिरोह द्वारा ठगी करने की आशंका जताई जा रही है।

सिगरेट के पैसे मांगने पर दुकानदार का सिर फोड़ा

नोएडा। चार युवकों ने सिगरेट और शीतलपेय के पैसे मांगने पर दुकानदार का सिर लोहे के सरिया से वार करके फोड़ दिया। दुकान के पास मौजूद अन्य ग्राहकों ने दुकानदार को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। घायल दुकानदार के भाई की शिकायत पर फेज-2 पुलिस ने चार अज्ञात युवकों के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में सेक्टर-87 के सौरव कुमार ने बताया कि 16 जुलाई को शाम साढ़े पांच बजे के करीब उसके भाई अनुज और अनिरुद्ध बस स्टैंड के पास स्थित अपनी दुकान पर बैठे थे। इसी दौरान दो बाइक पर चार युवक आए और शीतल पेय और सिगरेट ली। सिगरेट और शीतल पेय के पैसे मांगने पर युवकों ने दोनों के साथ गाली-गलौज करना शुरू कर दिया। इसी दौरान युवकों ने लोहे के सरिया से अनिरुद्ध के सिर पर वार कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना को अंजाम देने के बाद चारों युवक वहां से भाग गए। पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगाल रही है ताकि आरोपियों की पहचान की जा सके।

नोएडा में पुलिस की कस्टडी से फरार तस्कर, लापरवाही बरतने पर दो पुलिसकर्मी सस्पेंड

नोएडा। नोएडा पुलिस ने एक गांजा तस्कर गांव गिझोड़ से गिरफ्तार किया था। इसके बाद गांजा तस्कर जिला अस्पताल से पुलिस की कस्टडी फरार हो गया। इस मामले में लापरवाही बरतने वाले दो पुलिसकर्मियों को गौतमबुद्ध नगर पुलिस कमिश्नर की ओर से सस्पेंड किया गया है। पुलिस की 4 टीम आरोपी को पकड़ने के लिए गठित की गई है। यह मामला कोतवाली 24 का है। इसकी जानकारी एडीसीपी शक्ति अवस्थी ने दी है। आपको बता दें, इससे पहले भी नोएडा पुलिस कस्टडी से आरोपी फरार हुए हैं। दरअसल, नोएडा पुलिस ने लक्की नाम के एक तस्कर को गांव गिझोड़ से गिरफ्तार किया। इसके पास से पुलिस ने 1 किलो गांजा बरामद किए। इसके बाद पुलिस उसे थाने ले आई। पुलिस गांजा तस्कर को जेल भेजने की तैयारी में लग गई। पुलिस के दो जवान और एक होमगार्ड आरोपी को दोपहर करीब दो बजे जिला अस्पताल मेडिकल करवाने के लिए पहुंचे। इस दौरान मौके का फायदा उठाकर गांजा तस्कर जिला अस्पताल से फरार हो गया। इस घटना के बाद कोतवाली 24 पुलिस में हड़कंप मच गया। सूचना के बाद मौके पर आला अफसर पहुंचे और टीम गठित कर आरोपी की तलाश में जुट गए। पुलिस की विशेष टीम कर रही आरोपी की तलाश इससे पहले भी पुलिस हिरासत से आरोपियों के फरार होने की घटनाओं से विभाग की काफी किरकिरी हो चुकी है। यही कारण है कि विभाग के बड़े अफसर कोई भी ढिलाई बरतने के मूड में नहीं हैं। इसलिए लापरवाही बरतने पर सुनील और सागर पुलिस कर्मी को सस्पेंड किया गया है। वहीं होमगार्ड सुभाष की शिकायत लखनऊ भेजी जा रही है। दूसरी तरफ पुलिस की एक विशेष टीम अब अस्पताल के साथ ही आसपास के सीसीटीवी फुटेज को खंगालने में लगी हुई है। पुलिस का दावा है कि जल्द आरोपी को गिरफ्तार कर दिया जाएगा।

ग्रेनो वेस्ट की सोसाइटी में बिल्डर ने अवैध निर्माण किया, प्राधिकरण ने भेजा नोटिस

ग्रेटर नोएडा। ग्रेनो वेस्ट की गौर सिटी दो वाइट आर्किड सोसाइटी में बिल्डर ने अवैध निर्माण कर 132 परिवारों के लिए खतरा पैदा कर दिया। प्राधिकरण ने बिल्डर को नोटिस भेजकर जवाब मांगा है। निवासियों का आरोप है कि यह स्थिति बेहद गंभीर है और इसपर तत्काल ध्यान देने और संगठित कार्रवाई की आवश्यकता है ताकि एक संभावित आपदा को रोका जा सके। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के मुताबिक एक निवासी की शिकायत पर सोसाइटी में अवैध निर्माण की जांच करवाई गई थी। प्राधिकरण द्वारा की गई जांच मे पता चला कि बिल्डर ने कमर्शियल मार्केट की दुकान नंबर 7 से अंदर ही अंदर लेंटर को काटकर टॉवर दो के रेजिडेंशियल फ्लैट नंबर 101 और 102 में जाने के लिए लोहे की सीढ़ी लगाकर अवैध रास्ते का निर्माण कर दिया। इसके अलावा ग्रीन एरिया को कवर करवाकर अवैध दो दुकानों का निर्माण किया गया है। प्राधिकरण द्वारा जांच के दौरान इन दोनों रेजिडेंशियल फ्लैट में वाणिज्यिक गतिविधियां पाई गई हैं। इन सबके अलावा नक्शे के विरुद्ध सोसाइटी के अंदर प्रवेश करने का एक और अतिरिक्त अवैध रास्ते का निर्माण किया गया है। इस तरह इमारती ढांचे में अनधिकृत परिवर्तन कानून का स्पष्ट उल्लंघन है और इससे उन सभी के जीवन को खतरे में डाला जा रहा है, जो उसके आस-पास निवास कर रहे हैं। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने बिल्डर को इन सभी अवैध निर्माण तथा अवैध गतिविधियों पर स्पष्टीकरण मांगते हुए एक नोटिस भेजा है। इस नोटिस का पालन न करने पर बिल्डर के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अग्रवाल वैश्य समाज के प्रशिक्षण शिविर में युवाओं एवं विद्यार्थियों को राजनीति व व्यापार से कराया जाएगा अवगत

कुरुक्षेत्र। अग्रवाल वैश्य समाज के प्रदेश अध्यक्ष अशोक बुवानीवाला के नेतृत्व में संगठन को मजबूत करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। अब समाज के युवाओं और विद्यार्थियों को भी प्रशिक्षित किया जाएगा।

कुरुक्षेत्र में प्रदेश महासचिव राजेश सिंगला ने बताया कि अग्रवाल वैश्य समाज युवा एवं छात्र इकाई की ओर से अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस के उपलक्ष्य में 2 दिवसीय 13वां प्रशिक्षण शिविर खाटूश्यामजी में आयोजित किया जाएगा। यह शिविर 10 और 11 अगस्त को खाटू श्याम के सेठ सावरा सेवा समिति परिसर में होगा।

प्रशिक्षण को सफल बनाने के लिए समाज के युवाओं और विद्यार्थियों से संपर्क किया जा रहा है। कुरुक्षेत्र से भी बड़ी संख्या में युवा व छात्र अग्रबन्धु शिविर में शामिल होंगे।

सिंगला ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस के उपलक्ष्य पर खाटू श्याम (राजस्थान) में आयोजित होने वाले 2 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में युवाओं को राजनीति व व्यापार के गुर सिखाएं जाएंगे। इस शिविर की अध्यक्षता अग्रवाल वैश्य समाज के प्रदेश अध्यक्ष अशोक बुवानीवाला करेंगे। शिविर में हरियाणा प्रदेश की सभी विधानसभाओं और लोकसभाओं से समाज के पदाधिकारी व युवा कार्यकर्ता भाग लेंगे। इस शिविर में राजनीतिक व व्यापार के विशेषज्ञ युवाओं को प्रशिक्षण प्रदान करेंगे।

सिंगला ने बताया कि उपरोक्त कार्यक्रम के उपरांत इसी स्थान पर प्रदेश कार्यसमिति की बैठक भी होगी, जिसमें संगठन की आगामी गतिविधियों व कार्यक्रमों पर व्यापक मंथन होगा। बैठक में समाज को संगठित करने और उसके उत्थान के बारे में विस्तार से चर्चा होगी। उन्होंने कहा कि सबसे ज्यादा टैक्स देने के बावजूद हमारा समाज राजनीति में सबसे पिछड़ा हुआ हैं। ऐसे में समाज के युवाओं को आगे आकर अपनी राजनीतिक सोच तैयार करके राजनीति में आगे बढ़ना होगा। अगले वर्ष में लोकसभा व विधानसभा दोनों ही चुनाव आ रहे हैं। अग्रवाल वैश्य समाज का एक ही मूलमंत्र है कि वैश्य समाज की हर राजनीतिक पार्टी की टिकटों में ज्यादा से ज्यादा हिस्सेदारी हो और समाज के ज्यादा से ज्यादा लोग लोकसभा व विधानसभा में पहुंचे।

बाजरे के पकवानों का भी लुत्फ उठा सकेंगे बच्चे, मिड डे मिल योजना बनी बच्चों के लिये वरदान

करनाल। करीब दो दशक पहले एक दौर वह भी था जब सरकारी स्कूलों में पढने वाले अधिकांश बच्चे घर से टिफिन लेकर आते थे। पौष्टिक भोजन के अभाव में कुछ बच्चों की सेहत भी प्रभावित होती थी। ऐसे में सरकार ने 2004 में मिड डे मिल योजना शुरू की जो बच्चों के लिये वरदान साबित हो रही है। आने वाले सर्द मौसम में पहली बार बच्चे बाजरे से बने पकवान का स्वाद भी ले सकेंगे। इसके लिये 140 मीट्रिक टन की बाजरे की मांग का पत्र निदेशालय को भेजा गया है।

जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी सदानंद वत्स के अनुसार पीएम पोषण योजना(मिड डे मिल)इस जिला में पहली से पांचवी कक्षा के लिए 2004 में लागू की गई थी। वर्ष 2008-09 में विस्तार कर इसे आठवीं तक के विद्यार्थियों के लिए लागू कर उन्हें पका हुआ भोजन मुहैया कराया जाने लगा। योजना का इसलिये भी सामाजिक महत्त्व है कि बच्चे जाति भेद से ऊपर उठकर सामूहिक रूप से भोज करते हैं।

91 हजार से अधिक बच्चे लाभान्वित

डीईईओ के अनुसार जिला के 484 प्राइमरी और 293 अपर प्राइमरी स्कूलों के 91 हजार 257 बच्चे योजना से लाभान्वित हो रहे हैं। मार्च 2018 से इन्हें हफ्ते में तीन दिन फ्लेवर्ड मिल्क (200 एमएल प्रति बच्चा) भी उपलब्ध कराया जाने लगा है। आहार को और अधिक

पौष्टिक बनाने के लिये जुलाई 2019 से गेहूं की बजाय फोर्टिफाइड आटा और अक्तूबर 2021 से फोर्टिफाइड चावल की आपूर्ति की जा रही है।

बाजरे की डिमांड भेजी

श्री वत्स ने बताया कि आगमी सर्द मौसम में बाजरे के गुलगुले, बाजरे की खिचड़ी, बिस्कुट, बाजरी की पूरी उपलब्ध कराने के लिये निदेशालय को 150 मीट्रिक टन की डिमांड भेजी गई है। यह पहली बार होगा जब प्रदेश के स्कूली बच्चे बाजरे से बनी लजीज व्यंजनों का लुत्फ उठा सकेंगे। रेसिपी अनुसार बच्चों के लिये 20 प्रकार के भोजन का प्रावधान है जिसमें आइटम गेहूं, 7 चावल और 5 बाजरे पर आधारित हैं।

ये हैं फूड ग्रेन के मानदंड

मौलिक शिक्षा अधिकारी के अनुसार योजना के तहत प्राइमरी व अपर प्राइमरी बच्चों के लिये खाद्यान्न की मात्रा क्रमशः 100 व 150 ग्राम, दालें 20 व 30 ग्राम, सब्जी 50 व 75 ग्राम, तेल व वसा 5 व 7.5 ग्राम, नमक व मसाले स्वाद अनुसार प्रयोग करने का प्रावधान है। उन्होंने बताया कि स्कूलों खुले में भोजन नहीं पकाया जाता, इसके लिये बाकायदा रसोई की व्यवस्था की गई है। यह भी सुनिश्चित किया गया है कि बच्चे भोजन से पूर्व और बाद में हाथ धोखें। भोजन परोसने से पूर्व शिक्षक इंचार्ज द्वारा चखा भी जाता है। गुणवत्ता से किसी कार का समझौता नहीं किया जाता।

घरौंडा हल्के को मिली करीब 8 करोड़ रुपये की सौगात, मुख्यमंत्री मनोहर लाल का जताया आभार- विधायक हरविन्द्र कल्याण

घरौंडा/करनाल। घरौंडा के विधायक हरविन्द्र कल्याण ने करीब 8 करोड़ रुपये की सौगात देने के लिए हल्के की जनता की ओर से मुख्यमंत्री मनोहर लाल का धन्यवाद करते हुए कहा कि घरौंडा हल्का विकास के पथ पर निरंतर आगे बढ़ रहा है और इसका श्रेय केवल प्रदेश के मुख्यमंत्री मनोहर लाल को जाता है जो सबका साथ-सबका विकास की नीति पर चलते हुए पूरे प्रदेश का एक समान विकास करवा रहे हैं।

विधायक ने कहा कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल द्वारा मंगलवार को नूंह के फिरोजपुर झिरका से प्रदेश को करीब 2741 करोड़ रुपये की 347 परियोजनाओं की सौगात दी है जिनमें करनाल जिला की भी करीब 123 करोड़ रुपये की लागत की 9 परियोजनाएं शामिल हैं। इन परियोजनाओं में करीब 40 करोड़ 50 लाख रुपये के उद्घाटन तथा करीब 82 करोड़ 92 लाख रुपये की लागत के शिलान्यास शामिल हैं। इन परियोजनाओं में घरौंडा के विकास के लिए भी मुख्यमंत्री ने करीब 4 करोड़ 21 लाख रुपये की लागत से बने लोक निर्माण विभाग के विश्राम गृह तथा करीब 3 करोड़ 60 लाख रुपये की लागत से बनी चौरा की पीएचसी का भी उद्घाटन किया है। इससे हल्के की जनता को बड़ा फायदा होगा। लोक निर्माण विभाग के विश्राम गृह के दरवाजे मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने पहले ही खोल दिए थे। प्रदेश का कोई भी निवासी ऑनलाईन बुकिंग करवाते हुए इन विश्राम गृहों का लाभ ले सकता है। इसके अलावा चौरा की पीएचसी भी स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार की दिशा में बड़ा कदम है। विधायक ने कहा कि आज प्रदेश बदल रहा है। निरंतर विकास के कार्यों को नई दिशा दी जा रही है। घरौंडा भी इस विकास से अछूता नहीं है। राज्य व जिला स्तर पर होने वाले प्रत्येक उद्घाटन व शिलान्यास समारोह में घरौंडा के विकास की परियोजनाएं भी शामिल होती हैं। उन्होंने कहा कि यमुना के साथ लगते गांवों में जल भराव के कारण पिछले कई दिनों से आमजन के बीच व्यस्तता बनी हुई है। इसी कारण वे वर्चुअल माध्यम से आयोजित हुए राज्य स्तरीय उद्घाटन व शिलान्यास समारोह में शामिल नहीं हो सके। बावजूद इसके विधायक ने मुख्यमंत्री मनोहर लाल का घरौंडा हल्के को सौगात देने के लिए पुनः आभार जताया है।

नरवाल खाप ने दिया एससी समाज एकता मंच के धरने को समर्थन

जींद। शहर में संत कबीर चौक व गुरु रविदास चौक का निर्माण कार्य तुरंत शुरू करवाने व महर्षि वाल्मीकि के नाम से चौक स्वीकृत करने की मांग को लेकर नरवाला खाप ने अपना समर्थन दिया है। नरवाल खाप के राष्ट्रीय प्रवक्ता एडवोकेट रणबीर नरवाल शहर के ऐतिहासिल रानी तालाब पर स्थित भारत रत्न डा. बीआर अंबेडकर की प्रतिमा के पास दिये जा रहे एससी समाज एकता मंच का बेमियादी धरने पर पहुंचे। उन्होंने कहा कि महापुरुषों के लिए जो संघर्ष किया जा रहा है, उसमें नरवाल खाप पूरी तरह से एससी समाज एकता मंच के साथ है और उनकी सरकार से मांग है कि बिना किसी भेदभाव के तुरंत प्रभाव से इन चौकों का निर्माण कार्य शुरू किया जाए। यदि मामला लंबा खींचा तो फिर यह सरकार के लिए बड़ा सिरदर्द भी बन सकता है। नरवाल ने सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार ने किसान,जवान, पहलवान को तो बर्बाद करने मे कोई कसर नहीं छोड़ी। अब महान पुरुषों की बारी है। महान पुरुषों को किसी जाति विशेष या समाज तक ही सीमित नहीं रखा जा सकता। संतों का संदेश पूरी मानव जाति के कल्याण के लिए होता है। इस मौके पर हरियाणा व्यापार मंडल के जिला प्रधान महाबीर कंप्यूटर, जींद बार एसोसिएशन के पूर्व उपाध्यक्ष एडवोकेट अरविंद लाठर एवं दलित अधिकार मंच के नेता संदीप जाजवान मौजूद थे।

बाढ़ प्रभावित इलाकों में लगातार लग रहे मेडिकल कैंप, लोगों के स्वास्थ्य की हो रही जांच-डीसी अनीश यादव

करनाल- करनाल के डीसी अनीश यादव ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा लगातार बाढ़ प्रभावित इलाकों में मेडिकल कैंप लगाए जा रहे हैं। इन कैंपों में निरंतर लोगों के स्वास्थ्य की जांच हो रही है। उन्होंने कहा कि पीने के पानी की भी टेस्टिंग की जा रही है। इस कार्य को स्वास्थ्य विभाग और जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग निरंतर कर रहा है।

डीसी अनीश यादव ने बताया कि सिविल सर्जन करनाल डॉ. विनोद कुमार के नेतृत्व में बाढ़ प्रभावित 46 गांवों में बुधवार को 47 मेडिकल कैंप लगाए गए। इन कैंप में कुल 597 लोगों के स्वास्थ्य की जांच की गई। इनमें स्किन से जुड़ी समस्या और बुखार जैसे मरीज आए, उन्हें जांच के बाद दवाई दी गई। उन्होंने बताया कि जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी व स्वास्थ्य विभाग द्वारा लगातार पीने के पानी की टेस्टिंग की जा रही है।

यमुना के जल स्तर पर लगातार नजर बनाए हुए है प्रशासन

डीसी अनीश यादव ने कहा कि यमुना के जल स्तर पर जिला प्रशासन लगातार नजर बनाए हुए है। सिंचाई विभाग अलर्ट होकर तटबंधों को मजबूत करने के लिए कार्य कर रहा है। घरौंडा के नबीपुर, खिराजपुर में यमुना के कटाव को रोकने के लिए मिट्टी से भरे कट्टों का इस्तेमाल किया गया है। सिंचाई विभाग के अधिकारी दिन-रात मेहनत कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोगों के जान-माल की सुरक्षा करना जिला प्रशासन का पहला दायित्व है।

जेल में कैंप लगाकर की टीबी स्क्रीनिंग व एचआईवी की जांच

करनाल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2025 के टीबी मुक्त भारत के लक्ष्य की निरंतरता में आज बुधवार को सिविल सर्जन डा. विनोद कमल के निर्देशानुसार एवं उप सिविल सर्जन डा. सिम्मी कपूर के मार्गदर्शन में जिला कारागार करनाल में एनटीईपी टीमए एडस कंट्रोल सोसाइटी टीम एव मेदान्ता टीम द्वारा टीबी स्क्रीनिंग व एचआईवी कैम्प का आयोजन किया गया। डा. सिम्मी कपूर ने बताया कि भारत को टीबी मुक्त करने का लक्ष्य 2025 है। टीबी एक संक्रामक रोग है जोकि टीबी के मरीज के खासंने और छींकने से फैलता है। यह इंफैक्शन आसानी से हवा मे घुल जाता है। शुरूआत में यह बीमारी फेफडो पर असर करती है। बाद में बैक्टीरिया खून के जरिये शरीर के अन्य हिस्सो को प्रभावित करता है। निम्न लक्षण महसूस करते ही नजदीकी सरकारी स्वास्थ्य केन्द्र पर जांच करवाएं ताकि इसका ईलाज समय पर हो सकें। दो हफते से ज्यादा खांसी आना, सांस लेने में परेशानी, वजन कम होना, हल्का बुखार होना, भूख कम लगना, रात को पसीने आना। करनाल जेल में एनटीईपी टीम द्वारा जिला कारागार में उपस्थित कुल 2400 कैदियों की टीबी स्क्रीनिंग की गई जिसमें 70 एक्स-रे तथा 5 सीबीनाट टैस्ट किये गए। उपरोक्त कार्यकम को सफल बनानें मे सीजेएम जसबीर कौर एएसपी जेल करनाल, डीएसपी जेल करनाल, चिकित्सा अधिकारी डा. अमित, डा. निपुण, एनटीईपी टीम ए एडस कंट्रोल सोसाइटी टीम एव मेदान्ता टीम का महत्वपूर्ण योगदान रहा। एडस कंट्रोल सोसाइटी टीम द्वारा 210 कैदियों की एचआईवी काउंसलिंग व टैस्टिंग की गई। इसके साथ ही एचआईवी/ एडस की मुफत टैस्टिंग व ईलाज के बारे में बताया गया तथा प्रत्येक 3 महीने से 6 महीने के बाद टैस्टिंग करवाने के बारे में जानकारी दी गई। इसके साथ-साथ गर्भवती महिलाओं को एचआंवी टैस्ट सही समय पर करवाने के लिए जानकारी दी ताकि इससे नवजात शिशु में एचआईवी बीमारी फैलने से रोका जा सके।

करोड़ों की जमीन कब्जाने को फर्जी कागजात तैयार

सोनीपत। बहालगढ़ क्षेत्र में करोड़ों रुपए कीमत की जमीन को कब्जाने के लिए फर्जी कागजात तैयार करने का मामला सामने आया है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि उनकी जमीन का फर्जी इकरारनामा तैयार करा लिया गया। इसके बाद उसके आधार पर जमीन का पंजीकरण कराने को कोर्ट में मुकदमा दायर कर दिया है। इकरारनामा पर शिकायतकर्ता के हस्ताक्षर, भुगतान की रसीद व नोटरी सभी फर्जी बताए जा रहे है। उसके आधार पर पुलिस ने धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कर लिया है। बहालगढ़ थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। सेक्टर-23 निवासी विनोद कुमार ने पुलिस उपायुक्त को शिकायत दी थी कि उन्होंने गांव समसपुर गामड़ा निवासी मंजीत सिंह के साथ मिलकर फर्म बनाई हुई है। दोनों पार्टनरशिप में मैसर्स सनराइज एसोसिएशन के नाम से फर्म चलाते हैं। उनके पास बहालगढ़ क्षेत्र में करीब 8 कनाल एक मरला जमीन है। जमीन की कीमत करोड़ों में हैं। उस जमीन को दोनों साझीदारों ने वर्ष 2022 में खरीदा था। जिसके सब रजिस्ट्रार राई से रजिस्ट्री कागजात बनवाए गए थे। उनका जानकार आनंद इस जमीन को हथियाना चाहता है। उसने पिछले दिनों हथियार के बल पर उनका अपहरण कर लिया था। इसका मुकदमा पानीपत में दर्ज कराया गया था। अब आरोपी ने अपने साथी राजबीर के साथ मिलकर दो करोड़ रुपए में इस जमीन का फर्जी इकरारनामा बनवा लिया है। आरोप हे कि इकरारनामा पर विनोद और मंजीत के फर्जी हस्ताक्षर करने साथ ही दो करोड़ रुपए का नकद भुगतान करना भी दिखाया है। उसकी भी फर्जी रसीद तैयार की हुई है। इसके साथ ही आरोपियों ने इस इकरारनामा को नोटरी से पंजीकृत होना भी दिखाया है। वह भी फर्जी है। जिन अधिवक्ता से नोटरी होना दिखाया है, उनके रिकार्ड में इसका साक्ष्य नहीं मिला। इन फर्जी कागजात के आधार पर आरोपियों ने जमीन का बैनामा-पंजीकरण कराने के लिए कोर्ट में सूट फॉर स्पेसिफिक परफारमेंस एंड प्रमानेंट इंजक्शन का मुकदमा दायर कर दिया है। इस मामले में जितेंद्र और जरनैल सिंह को गवाह दिखाया गया है। पुलिस उपायुक्त के आदेश पर बहालगढ़ थाना प्रभारी इंस्पेक्टर देवेंद्र कुमार ने इस मामले की जांच की। शुरुआती जांच में गड़बड़झाला मिलने पर चारों आरोपियों के खिलाफ साजिश करने, फर्जी कागजात तैयार करने और धोखाधड़ी समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

भाई ने धमकी देने का लगाया आरोप

विनोद के भाई संदीप ने भी उन्हें धमकी देने का आरोप लगाया है। आरोप है कि वह 17 जुलाई को अपने भाई विनोद के कार्यालय में बहालगढ़ बैठे थे। वहां पर उनका परिचित गांव कैलाना का विनोद कुमार भी बैठा था। इसी दौरान 6-7 युवकों ने कार्यालय में आकर धमकी दी थी कि यह जमीन उन्होंने आनंद से ली है।

अब स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी का कैंपस स्कूल होगा स्पोर्ट्स स्कूल राई

सोनीपत। मोतीलाल नेहरू स्पोर्ट्स स्कूल, राई अब राई स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी का कैंपस स्कूल होगा। स्कूल को लेकर सरकार ने बड़ा प्रशासनिक बदलाव किया है। स्कूल के प्रशासनिक संचालन के लिए एक बोर्ड का गठन किया गया है, जिसका चेयरमैन यूनिवर्सिटी के कुलपति एसएस देशवाल को बनाया गया है। इसके अलावा इस बोर्ड में खेल विभाग के निदेशक व स्कूल के प्रधानाचार्य को भी शामिल किया गया है। बता दें कि हाल ही में मोतीलाल नेहरू स्पोर्ट्स स्कूल, राई में स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी स्थापित की गई है। इसमें इसी सत्र से दाखिला प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। स्पोर्ट्स स्कूल राई अब यूनिवर्सिटी का एक कैंपस स्कूल बनाया गया है। सरकार ने अब एक बड़ा निर्णय लिया है, जिसके तहत राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने बुधवार को मोतीलाल नेहरू स्पोर्ट्स स्कूल राई के नए प्रशासनिक बोर्ड का गठन कर दिया है।

बोर्ड में ये किए गए शामिल

हरियाणा स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी राई के वीसी एसएस देशवाल चेयरमैन

होंगे। वाइस चांसलर के नॉमिनी को वाइस चेयरमैन बनाया गया है। इसी तरह से स्कूल के बोर्ड में खेल विभाग हरियाणा के निदेशक, हरियाणा स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी राई के रजिस्ट्रार, हरियाणा स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी राई के डीन, हरियाणा स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी राई के खेल निदेशक, स्पोर्ट्स स्कूल राई के प्रधानाचार्य तथा स्पोर्ट्स राई की उप प्राचार्य को इस नए बोर्ड का सदस्य बनाया गया है। अब खेल स्कूल राई के सभी प्रशासनिक कार्य इसी बोर्ड की देखरेख में किए जाएंगे। वीसी एसएस देशवाल ने कहा कि राई खेल स्कूल अब यूनिवर्सिटी के कैंपस स्कूल के रूप में चलेगा।

हरियाणा पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग के महानिर्देशक अमित खत्री ने लोहारू के एतिहासिक किले का किया दौरा

लोहारू। हरियाणा पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग के महानिर्देशक अमित खत्री ने बुधवार को लोहारू किले का दौरा किया। इस किले का संरक्षण कार्य किया जाना है।

महानिर्देशक ने किला परिसर का दौरा करते हुए मुख्य द्वार और किला क्षेत्र का निरीक्षण किया और इसे तुरंत ही मेंटेन करने के आदेश दिए। उन्होंने किले के उचित रखरखाव करने और आने - जाने के मार्ग को ठीक करने के निर्देश दिए।

उल्लेखनीय है कि प्रदेश के कृषि एवं पशुपालन मंत्री जेपी दलाल ने मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल से लोहारू के ऐतिहासिक किले को फिर से आबाद करके एक पर्यटक स्थल के रूप में विकसित करने की मांग की थी। जिस पर मुख्यमंत्री ने संबंधित विभाग को तुरंत प्रभाव से काम करने के आदेश दिए थे।

इसी कड़ी में श्री खत्री ने लोहारू किले का दौरा किया। उन्होंने कहा कि भवन की वनस्पति छटाई और जीर्णोद्धार का काम बहुत जल्द शुरू किया जाएगा। किले के संरक्षण कार्य के लिए प्रवेश द्वार पर प्रतिबंध लगाया जाएगा। यह कार्य हरियाणा पर्यटन कॉरपोरेशन के माध्यम से किया जाना है।

किले के मुख्य प्रवेश द्वार, उसके बाद के द्वार,

टैंक और बाई ओर मौजूदा संरचना के संरक्षण कार्य को पहले चरण में लिया जा रहा है। सभी मरम्मत कार्यों को चरणबद्ध तरीके से किया जाना है।

इस दौरे के दौरान उनके साथ एसडीएम अमित कुमार,डीएचबीवीएन के एसई रणवीर सिंह, हरियाणा पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग की उप निर्देशक डॉ. बिनानी भट्टाचार्य, पुरातत्ववेत्ता व स्थल प्रभारी रविकांत, पर्यटन विभाग के कार्यकारी अभियंता एसके पन्नू, पूर्व उप अधीक्षण पुरातत्व अभियंता इंद्रजीत सिंह, लोहारू नायब तहसीलदार संजय शर्मा, पटवारी आदि सम्बन्धित मौजूद रहे।

हरविंद्र कल्याण ने नबीपुर-खिराजपुर यमुना बांध का दौरा किया

करनाल। विधायक हरविंद्र कल्याण ने नबीपुर - खिराजपुर यमुना बांध का दौरा किया और भूमि कटाव कि स्थिति का जायजा लिया तथा अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान उनके साथ एसडीएम करनाल अनुभव मेहता, सिचाई विभाग के एसडीओ विकास कौशिक उपस्थिति रहे।

इस मौके पर विधायक ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जहां भी पानी से कटाव होता है तुरंत उसे रिपेयर करे तथा पल पल अपनी नजर यमुना बांध पर बनाएं रखे ताकि लोगो के जान-माल का नुकसान को बचाया जा सके। उन्होंने कहा कि आपदा के इस समय प्रशासन के साथ-साथ आम लोगो का सहयोग बाढ़ से बचाव के कार्य में मिल रहा है। जोकि एक सहारनीय कदम है। उन्होंने कहा कि इस आपात स्थिति से निपटने के लिए सिचाई विभाग मशिनरी व मैन पावर को और बढाएं। विधायक कल्याण ने कहा कि स्थिति अभी नियंत्रण में है लेकिन उसके बावजूद भी सभी सजगता बनाए रखे। इस मौके पर एसडीओ ने विभाग कि भविष्य की योजना के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया की यमुना बांध पर पत्थर लगाने संबंधी 2 दिन पहले बात हुई थी जिसके उपरांत पत्थरों का प्रबंध करके काम शुरू कर दिया गया। सैंकड़ों श्रमिक और कर्मचारी कार्य को दुरुस्त करने में लग रहे है।

जुलाना बीएसएनएल एक्सचेंज में लगी आग, 52 गांवों की सेवाएं ठप

जुलाना/जींद। जुलाना बीएसएनएल एक्सचेंज में बीती रात आग लगने से एक्सचेंज में लगे कीमती उपकरण जलकर राख हो गए। आग इतनी भयानक थी कि फायर ब्रिगेड को आग पर काबू पाने के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। एक्सचेंज में लगी आग से 52 गांव की सेवाएं ठप हो गई। देर शाम तक तकनीशियन एक्सजेंच में आई खराब को ठीक करने में लगे रहे।

जानकारी के अनुसार जुलाना की बीएसएनएल एक्सचेंज में बीती देर रात अचानक आग भड़क उठी। जिसने कुछ ही समय में विकराल रूप धारण कर लिया। एक्सचेंज में ड्यूटी दे रहे कर्मचारियों ने आग पर काबू पाने की कोशिश भी की, लेकिन आग नियंत्रण से बाहर होती चली गई। उसी दौरान सूचना पाकर फायर ब्रिगेड की जुलाना और जींद की गाड़ियां मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्त के बाद आग पर काबू पाया।

जब तक आग पर काबू पाया जाता तब तक लगाए गए उपकरण जलकर राख हो चुके थे। आग लगने से बीएसएनएल को करोड़ों रुपए का नुकसान हुआ है। बता दें कि जुलाना की एक्सचेंज में 17 टॉवर जुड़े हुए हैं। आग लगने के कारण टावर का जुड़ाव टूट गया और लोगों को काफी परेशानियों से होकर गुजरना पड़ा। बीएसएनएल के अधिकारी ने बताया कि किनाना, गतौली, बुआना मेहरड़ा आदि गांव में तो टॉवर काम कर रहे थे लेकिन ढ़िगाना, जुलाना, नंदगढ़, शादीपुर, लजवाना कलां, लजवाना खुर्द, बुढ़ा खेड़ा, मालवी, करेला के टॉवर की कनेक्टिविटी टूट गई। बीएसएनएल एक्सचेंज में आग लगने से जुलाना तहसील, पुलिस स्टेशन, खंड विकास एवं पंचायत विकास अधिकारी कार्यालय, बिजली निगम और बैंकिंग आदि का कार्य बाधित हो गया। जिससे लोगों को काफी परेशानियों से होकर गुजरना पड़ा। इसके अलावा प्राइवेट फाइबर भी कट गई, जिसके चलते ग्राहकों को काफी परेशानियों से होकर गुजरना पड़ा।

आग लगने की सूचना मिलने पर डीजीएम राजीव कौशिक और एडीजीएम प्रदीप खटकड़ टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का मुआयना किया। डीजीएम राजीव कोशिश ने बताया कि बुधवार देर सांय तक सर्विस चालू होने की उम्मीद है। लाइन जोडने के लिए कुरूक्षेत्र से टीम बुलाई गई है और जो उपकरण जल गए उनकी जगह दुसरे उपकरण लगाने के लिए हिसार से मंगवाए गए हैं। टीम लगातार प्रयास कर रही है कि लोगों को जल्द से जल्द सुविधा मिल सके।

इराक में कुरान जलाने पर मचा बवाल, स्वीडन के दूतावास को किया आग के हवाले

बगदाद । कुरान जलाए जाने पर स्वीडन में बवाल मचा हुआ है, वहां दूतावास को आग के हवाले कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार दुनियाभर में भड़का विरोध प्रदर्शन इराक में हिंसक रुप ले रहा है। राजधानी बगदाद में प्रदर्शनकारियों ने गुरुवार को स्वीडन के दूतावास को ही जला दिया। बड़ी संख्या में ये प्रदर्शनकारी दूतावास की दीवार को पार करके घुस गए और दूतावास की इमारत को आग लगा दी। इस बीच स्वीडन ने कहा है कि इस हिंसक घटना में उनके दूतावास के कर्मचारी सुरक्षित हैं। वहीं स्वीडन ने इराक सरकार से मांग की है कि वह उनके दूतावास को पूरी सुरक्षा मुहैया कराए। बताया जा रहा है कि गुरुवार को हुए इस प्रदर्शन के लिए चर्चित मौलाना मुक्तदा अल सद्र के समर्थकों ने आह्वान किया था। अल सद्र इराक के सबसे प्रभावशाली मौलानाओं में से एक है। बताया जा रहा है कि स्वीडन में कुरान की एक प्रति जलाने से नाराज प्रदर्शनकारियों ने गुरुवार तड़के बगदाद में स्वीडिश दूतावास पर धावा बोल दिया और परिसर में घुसकर आगजनी की। प्रदर्शन से संबंधित ऑनलाइन वीडियो में प्रदर्शनकारी दूतावास पर प्रभावशाली इराकी शिया मौलवी और राजनेता मुक्तदा अल-सद्र की तस्वीरों वाले झंडे और निशान लहराते हुए दिख रहे हैं। वीडियो में दर्जनों लोग परिसर की दीवार पर चढ़ते हुए दिख रहे हैं और उनकी आवाजें सुनाई दे रही हैं तथा वे सामने के दरवाजे को तोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। एक अन्य वीडियो में प्रदर्शनकारी आगजनी करते नजर आ रहे हैं। बाद में अन्य लोगों ने दूतावास के बाहर सुबह की नमाज भी पढ़ी। हालांकि इराक के विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर हमले की निंदा की है। विदेश मंत्रालय ने कहा ?कि इराक की सरकार ने सक्षम सुरक्षा अधिकारियों को तत्काल जांच करने और घटना की परिस्थितियों को उजागर करने तथा इस कृत्य के अपराधियों की पहचान कर उन्हें कानून के अनुसार जवाबदेह ठहराने के निर्देश दिये हैं।

फीफा महिला वर्ल्ड कप शुरु होने से पहले गोलीबारी में दो की मौत

ऑकलैंड । न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में महिला फुटबॉल वर्ल्ड कप शुरु होने से पहले हुई गोलीबारी में दो लोगों की मौत हो गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार एक बंदूकधारी हमलावर ने मध्य ऑकलैंड के एक कंस्ट्रक्शन साइट पर गोलीबारी की, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि उन्होंने हमलावर को भी मार गिराया है। इस घटना में 6 लोग घायल भी हो गए। यह हमला महिला फीफा विश्व कप के उद्घाटन मैच से ठीक 12 घंटे पहले हुई। इस मामले में ऑकलैंड पुलिस ने बताया कि बंदूकधारी हमलावर सुबह करीब 7:30 बजे (स्थानीय समयानुसार) लोअर क्वीन स्ट्रीट पर एक मुख्य रेलवे स्टेशन और फ़ेरी टर्मिनल के पास एक कंस्ट्रक्शन साइट में घुस गया और इमारत के ऊपर आते ही उसने गोलियां चलानी शुरू कर दीं। पुलिस ने बताया कि इस दौरान हमलावर भी मारा गया है। न्यूजीलैंड पुलिस ने ट्विटर पर कहा कि आज सुबह ऑकलैंड के सीबीडी में एक निर्माण स्थल पर हुई एक गंभीर घटना पर काबू पा लिया है। कई लोगों के घायल होने की सूचना मिली है और इस स्तर पर, हम पुष्टि कर सकते हैं कि दो लोगों की मौत हो गई है। हमलावर भी मारा गया है। इस घटना पर न्यूजीलैंड के प्रधान मंत्री क्रिस हिपकिंस ने कहा कि महिला विश्व कप गुरुवार को अनुसार शुरू होने जा रहा है। राष्ट्रीय सुरक्षा को कोई खतरा नहीं है। गोलीबारी के लिए कोई राजनीतिक मोटिव नहीं दिखता।

भारतीय-अमेरिकी जोड़े पर धोखाधड़ी, जबरन श्रम कराने का आरोप

न्यूयॉर्क । एक भारतीय-अमेरिकी जोड़े पर कर्मचारी से जबरन श्रम कराने सहित अन्य कई आरोप लगाए गए हैं। जिसमें कर्मचारी के दस्तावेजों को जब्त करना, उसे न्यूनतम वेतन पर नौकरी पर रखना आदि शामिल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रिचमंड में एक संघीय जूरी ने बुधवार को 30 वर्षीय हरमनप्रीत सिंह और 42 वर्षीय कुलबीर कौर के खिलाफ कुल छह आरोप लगाए। आरोपों में जबरन श्रम कराने, वित्तीय लाभ के लिए विदेशी आश्रय, दस्तावेज़ जब्त करना सहित धोखाधड़ी के कई आरोप शामिल हैं। अदालत के दस्तावेजों के अनुसार, मार्च 2018 और मई 2021 के बीच, हरमनप्रीत और कुलबीर ने कथित तौर पर पीड़ित को अपने स्टोर पर श्रम और सेवाएं प्रदान करने के लिए मजबूर किया। इस मामले में न्याय विभाग ने कहा कि पीड़ित ने कैशियर के रूप में काम किया, भोजन तैयार किया, सफाई की और स्टोर को संभाले रखा। अभियोग में आरोप लगाया गया कि दंपति ने पीड़ित के आव्रजन दस्तावेजों को जब्त कर लिया और उसका शारीरिक शोषण किया। इतना ही नहीं उसे रहने की खराब स्थिति दी गई, और कम पैसे देकर लंबे समय तक काम करवाया। अभियोग में आगे आरोप लगाया गया है कि प्रतिवादियों ने वित्तीय लाभ के लिए पीड़ित का वीजा समाप्त होने के बाद उसे शरण दी। गौरतलब है कि यहां जबरन श्रम के आरोप में अधिकतम 20 साल की जेल का प्रावधान है। जिला अदालत अमेरिकी दिशानिर्देशों के अनुसार सजा का निर्धारण करेगी।

अल-शबाब के 30 आतंकवादी ढेर, सोमाली सेना ने की कार्रवाई

मोगादिशू । सोमाली राष्ट्रीय सेना ने सीधी मुठभेड़ में 30 आतंकवादियों को मार गिराया है। जानकारी के अनुसार देश के मध्य भाग शबेले क्षेत्र में एक भीषण लड़ाई के दौरान अल-शबाब के 30 आतंकवादियों को मार गिराया है। सेना के अधिकारियों ने इस बात की पुष्टि की है। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार सूचना उप मंत्री अब्दिरहमान यूसुफ अल-अदाला ने बुधवार को बताया कि आतंकवादियों के खिलाफ सैन्य हमला इसलिए किया गया क्योंकि वे हमले की साजिश रच रहे थे। अल-अदाला ने कहा कि हमारे विशेष बलों, दानब और गोर-गोर इकाइयों ने आज सुबह अल-शबाब आतंकवादियों के खिलाफ एक सफल अभियान चलाया। बलों ने हथियार और अन्य सैन्य उपकरण भी बरामद किए और आतंकवादी ठिकानों को नष्ट कर दिया। उन्होंने कहा कि विशिष्ट बल अभी भी अल-शबाब आतंकवादियों का पीछा कर रहे हैं, लेकिन उन्होंने यह नहीं बताया कि सेना की ओर से कोई हताहत हुआ है या नहीं। अल-शबाब आतंकवादियों ने इस सैन्य हमले पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

पाकिस्तानी शांति दूत पहुंचे काबुल, उधर टीटीपी हमले में 3 पुलिसकर्मियों की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के विशेष दूत आसिफ दुर्रानी गुरुवार को अफगानिस्तान की राजधानी काबुल पहुंचे। जहां उन्होंने आतंकवादी संगठनों तहरीके तालिबान पाकिस्तान सहित अन्य आतंकी संगठनों पर लगाम लगाने के लिए तालिबानी नेताओं और अधिकारियों से वार्ता शुरू की है। उधर गुरुवार दोपहर लगभग 12:00 बजे दो आत्मघाती आतंकवादियों ने पुलिस थाने में घुसने की कोशिश की। थाने के अंदर काउंटर टेररिज्म डिपार्टमेंट द्वारा पकड़े गए कुछ संदिग्ध आतंकवादियों से पूछताछ की जा रही थी। इन दोनों आत्मघाती हमलावरों की संदिग्ध गतिविधि के आधार पर पुलिस थाने के अंदर घुसने पर पुलिसकर्मियों ने उन्हें रोकने की कोशिश की जिसके जवाब में दोनों आत्मघाती हमलावरों ने अपनी सुसाइड जैकेट का बटन दबाकर विस्फोट कर दिया। इस विस्फोट के दौरान एक दर्जन से ज्यादा पुलिसकर्मी घायल हो गए और अब तक तीन पुलिसकर्मियों के मरने की खबर आई है। पिछले 72 घंटे के दौरान यह तीसरा सुसाइड अटैक है, जो पाकिस्तान के सुरक्षा कर्मियों पर किया गया है। इस सुसाइडल अटैक के 1 घंटे बाद इस घटना की जिम्मेदारी आतंकवादी संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान ने ली है। आतंकवादी संगठन टीटीपी प्रवक्ता ने सुसाइड हमलावरों के नाम भी बताए गए हैं। किए गए दावे के मुताबिक यह आत्मघाती हमला उसके सुसाइड बांबरों शाहिद उल्ला यूसुफजई उर्फ हमजा और हंजला मोहम?मद नामक आतंकवादियों द्वारा किया गया था। दिलचस्प है कि इसी आतंकवादी संगठन पर लगाम कसने के लिए अफगानिस्तान में पाकिस्तान के विशेष दूत अफगानिस्तान पहुंचे हैं। अफगानिस्तान के विदेश मंत्रालय का आधिकारिक तौर पर कहना है कि इस दौरान विदेश मंत्री अमीर खान मुतक्की ने उन्हें आश्वासन दिया कि अफगानिस्तान के क्षेत्र का इस्तेमाल आतंकवादी संगठन नहीं कर पाएंगे और अफगानिस्तान चाहता है कि पाकिस्तान में हर तरह से शांति कायम रहे।

भारी बारिश से दीवार गिरी, 11 की मौत

इस्लामाबाद । इस्लामाबाद में भारी बारिश के बाद एक इमारत की दीवार गिरने से बुधवार को 11 श्रमिकों की मौत हो गई जबकि छह अन्य घायल हो गये। एक अधिकारी ने यहां इसकी जानकारी दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार स्थानीय पुलिस अधीक्षक (एसपी) खान जेब ने 11 श्रमिकों के मौत की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि मलबे से 11 शव बरामद किये गये हैं।

बगदाद में स्वीडन के दूतावास के बाहर प्रदर्शन कर रहे लोगों को रोकते हुए पुलिसकर्मी।

इमरान खान ने मांगी माफी, महिला जज को दी थी धमकी

इस्लामाबाद । इमरान खान ने महिला जज को धमकी देने के मामले में माफी मांगी है। जानकारी के अनुसार पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के अध्यक्ष इमरान खान ने जेबा चौधरी नाम की महिला जज को धमकी देने के मामले में एक बार फिर जिला एवं सत्र अदालत में माफी मांगी है। अदालत की सुनवाई के दौरान खान इस्लामाबाद के न्यायिक मजिस्ट्रेट मलिक अमान के सामने पेश हुए। अप्रैल 2023 में पद से हटाए जाने के तुरंत बाद, इस्लामाबाद के एफ-9 पार्क में आयोजित पिछली राजनीतिक रैली में, खान ने शीर्ष पुलिस अधिकारियों और न्यायाधीश चौधरी पर निशाना साधते हुए एक भावुक भाषण दिया, और उन्हें नहीं बख्शने और कथित तौर पर उनके साथ दुर्व्यवहार करने के लिए उनके खिलाफ मामले दर्ज करने की कसम खाई। सुनवाई के दौरान, खान ने अपनी टिप्पणी के लिए खेद व्यक्त किया और कहा कि जब वह न्यायाधीश चौधरी की अदालत में गए थे तो उन्होंने पहले माफी मांगी थी। हालांकि, पुलिस ने उन्हें बताया कि जज छुट्टी पर हैं और उनका कोर्ट रूम बंद है। इसके बाद खान ने अदालत के रीडर से अनुरोध किया कि वह न्यायाधीश को अपना माफी का संदेश पहुंचा दे। इस दौरान जिला और सत्र अदालत में अपने भाषण में खान ने अपने बयान के लिए खेद व्यक्त किया और न्याय के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए दावा किया कि वह अपने पूरे राजनीतिक जीवन में कभी भी किसी भी गैरकानूनी गतिविधियों में शामिल नहीं हुए।

भारत को अपनी तेज रफ्तार आगे भी कायम रखने की जरूरत: बंगा

वाशिंगटन (एजेंसी)। केंद्रीय विदेश मंत्री एस जयशंकर और विश्व बैंक के अध्यक्ष अजय बंगा ने क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को सशक्त बनाने के भारत के प्रयासों और ग्लोबल साउथ की चिंताओं पर चर्चा की। भारतीय-अमेरिकी बंगा, जो तीसरी जी 20 वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक गवर्नरों की बैठक में भाग लेने के लिए गुजरात के गांधीनगर में हैं, ने जयशंकर से मुलाकात की और बड़े विकास को बढ़ावा देने के लिए भारत के प्रयासों के बारे में बात की।

दोनों नेताओं की मुलाकात के बाद जयशंकर ने ट्वीट किया, वर्ल्ड बैंक के अध्यक्ष बंगा से मिलकर खुशी हुई। हमने क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को मजबूत करने, क्षेत्रीय समृद्धि को बढ़ावा देने और बड़े विकास को आगे बढ़ाने के भारत के प्रयासों पर चर्चा की। इसके पहले बंगा ने कहा कि आर्थिक रूप से भारत को लेकर आज अधिक आशावादी हैं और बुनियादी ढांचे के डिजिटलीकरण की दिशा में सरकार की पहल की सराहनीय है। उन्होंने आईएमएफ और विश्व बैंक की भविष्यवाणियों का भी जिक्र कर दुनिया एक या दो साल के लिए थोड़ी चुनौतीपूर्ण हो जाएगी और जोर देकर कहा कि पूर्वानुमान नियति नहीं है। बंगा ने कहा कि डिजिटलीकरण ने लोगों के लिए सेवाओं तक पहुंच आसान बना दी है और वह इसके बड़े प्रशंसक हैं। भारत ने पिछले 15-20 वर्षों में जो किया है, वह बुनियादी ढांचे का डिजिटलीकरण है। उन्होंने कहा, मैं लंबे समय की तुलना में आज समग्र रूप से आर्थिक रूप से भारत को लेकर अधिक आशावादी हूं।

बंगा ने कहा कि भारत कोरोना महामारी के समय पैदा हुई चुनौतियों से मजबूत बनकर उभरा है, लेकिन भारत को यह रफ्तार आगे भी कायम रखने की जरूरत है। बंगा ने कहा, ''भारत वैश्विक स्तर पर कायम सुस्ती के बीच काफी कुछ ऐसा कर रहा है जो उसे आगे रखने में मदद कर रहे हैं। बंगा ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था वैश्विक स्तर पर सुस्ती होने के बावजूद अपने घरेलू खपत की वजह से सुरक्षित है। उच्च आय वाली नौकरियों में संभावित वृद्धि के बारे में पूछने पर बंगा ने कहा, ''हमें यह समझना होगा कि ये नौकरियां कहां पर हैं। ये नौकरियां प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हैं और बहुत कम संख्या में हैं। फिर विनिर्माण क्षेत्र में ऐसी नौकरियां हैं। भारत के सामने फिलहाल यह मौका है कि वह 'चीन प्लस वन रणनीति का फायदा उठाए। चीन प्लस वन रणनीति का मतलब है कि दुनिया के विकसित देशों की कंपनियां अब अपने विनिर्माण केंद्र के तौर पर चीन के साथ किसी अन्य देश को भी जोड़ना चाहती हैं। इसके लिए भारत भी एक संभावित दावेदार के तौर पर उभरकर सामने आया है।

बंगा ने कहा, ''भारत को यह भी ध्यान रखना होगा कि चीन प्लस वन रणनीति से मिलने वाला अवसर उसके लिए 10 वर्षों तक नहीं खुला रहेगा। यह तीन से लेकर पांच साल तक उपलब्ध रहने वाला अवसर है, जिसमें आपूर्ति श्रृंखला को अन्य देश में ले जाने या चीन के साथ अन्य देश को जोड़ने की जरूरत है।

बीजिंग पहुंचा पूर्व अमेरिका जेम्स बॉड, रिश्ते सुधारने की कवायद

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। संयुक्त राज्य अमेरिका के पूर्व विदेश सचिव हेनरी किसिंजर ने 19 जुलाई को बीजिंग में शीर्ष चीनी राजनयिक वांग यी से मुलाकात की। एक दिन पहले 100 साल के अमेरिकी ने चीनी रक्षा मंत्री ली शांगफू से बातचीत की थी। वाशिंगटन ने कहा कि उन्हें किसिंजर की औचक चीन यात्रा के बारे में जानकारी थी और कहा कि वह अमेरिकी सरकार की ओर से वहां नहीं थे। किसिंजर की यात्रा अमेरिकी जलवायु दूत जॉन केरी की चीन की यात्रा के साथ मेल खाती है, जिसका मकसद दुनिया के दो सबसे बड़े प्रदूषकों के बीच सहयोग को बढ़ावा देना है, जैसा कि अमेरिकी मीडिया ने बताया है। ये यात्राएं उस समय में हो रही हैं, जब अमेरिका और चीन के बीच संबंध ऐतिहासिक निचले स्तर पर पहुंच गए हैं। किसिंजर चीन में क्या कर रहे हैं? अमेरिका और चीन कैसे रिश्ते सुधारने की कोशिश कर रहे हैं?

पूर्व अमेरिकी राजनयिक 50 साल पहले दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों को फिर से शुरू करने के अपने प्रयासों के लिए चीन में एक सम्मानित व्यक्ति बने हुए हैं। जुलाई 1971 में अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार के रूप में बीजिंग की उनकी आश्चर्यजनक यात्रा थी जिसने अगले वर्ष एशियाई देश में तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन की ऐतिहासिक यात्रा का मार्ग प्रशस्त किया। अमेरिका और चीन ने 1979 में आधिकारिक तौर पर एक दूसरे को मान्यता दी। पद छोड़ने के बाद भी किसिंजर ने चीन का दौरा किया और कई बार चीनी अधिकारियों से मुलाकात की। रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने आखिरी बार नवंबर 2019 में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की थी, जब शी जिनपिंग ने दोनों देशों के बीच संबंधों के विकास को बढ़ावा देने में उनके सकारात्मक प्रयासों के लिए अनुभवी राजनयिक की सराहना की थी।

अमेरिकी रिपोर्ट का खुलासा, परमाणु सुरक्षा में पाकिस्तान भारत से आगे

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान की परमाणु सुरक्षा भारत से भी बढ़कर है। यह खुलासा अमेरिका की ताजा रिपोर्ट में हुआ है। इस तरह से पाकिस्तान के लिए एक अच्छी खबर आई है। अमेरिका स्थित एक अंतरराष्ट्रीय संगठन की तरफ से परमाणु सुरक्षा के लिहाज से पाकिस्तान को भारत से आगे रखा गया है। हैरानी की बात यह है कि आतंकियों की सुरक्षित पनाहगार वाले इस मुल्क को उसके पड़ोसी से बढ़कर बताया है। लेकिन तज्जुब तो तब हुआ जब भारत की तुलना ईरान और उत्तर कोरिया से कर डाली गई है। मंगलवार को खतरनाक परमाणु हथियारों से निपटने के मामले में पाकिस्तान ने पिछले मूल्यांकन के बाद से तीन और अंक हासिल किए हैं। अब वह 22 देशों की लिस्ट में सूची में 19वें नंबर पर है। एनटीआई परमाणु सुरक्षा सूचकांक की तरफ से पाकिस्तान को यह गुड न्यूज दी गई है। इस थिंक टैंक संकेतकों और मानदंडों के आधार पर देशों की परमाणु सुरक्षा क्षमताओं और प्रयासों को मापता है। इनमें परमाणु सामग्रियों और सुविधाओं की सुरक्षा, अंतरराष्ट्रीय मानदंडों और संधियों का पालन, परमाणु सुरक्षा के लिए नियामक ढांचा और परमाणु हथियारों या सामग्रियों तक अनधिकृत पहुंच को रोकने के लिए सर्वश्रेष्ठ नियमों को लागू करने जैसे जैसे कारक शामिल हैं।

गौरतलब है कि वॉशिंगटन स्थित यह एनजीओ इस इंडेक्स को रिलीज करता है। साथ ही इस बात का सावधानीपूर्वक रिकॉर्ड भी रखता है कि कोई देश परमाणु सामग्री को कैसे संभाल रहा है। एनटीआई इंडेक्स में पाकिस्तान का स्?कोर 49 है जबकि भारत को 40, ईरान को 29 और उत्तर कोरिया को 18 से ज्यादा अंक मिले हैं। इससे यह भी पता चलता है कि पाकिस्तान अपनी परमाणु सुविधाओं की सुरक्षा के मामले में रूस और इजरायल के साथ 32वें स्थान पर है और 47 देशों की सूची में भारत, ईरान, मैक्सिको, दक्षिण अफ्रीका और कई अन्य देशों से ऊपर है। हालांकि, इंडेक्स में इस बात पर चिंता जताई गई है और कहा है कि इसकी स्थिति बिगड़ रही है। इस एनजीओ की तरफ से पिछले काफी समय परमाणु सुरक्षा पर प्रगति की रिपोर्ट तैयार की जा रही है। बता दें कि साल 2023 में पहली बार एनटीआई परमाणु सुरक्षा इंडेक?स में पाया गया है कि परमाणु सामग्री और परमाणु सुविधाओं वाले दर्जनों देशों और क्षेत्रों में परमाणु सुरक्षा की स्थिति वापस आ रही है।

बगावत के बाद पहली बार निजी सेना के प्रमुख प्रिगोझिन का वीडियो सामने आया

मॉस्को (एजेंसी)। रूस की निजी सेना वैग्नर समूह के प्रमुख येवगेनी प्रिगोझिन का बुधवार को एक वीडियो सामने आया जिसमें वह अपने सैनिकों को यह कहता दिख रहा है कि अफ्रीका में तैनाती से पहले उन्हें बेलारूस में अपने सैन्य प्रशिक्षण के लिए कुछ समय बिताना होगा। पिछले महीने प्रिगोझिन के नेतृत्व में रूस की निजी सेना ने संक्षिप्त बगावत कर दी थी। प्रिगोझिन की वैग्नर निजी सेना कंपनी से संबंधित मैसेजिंग ऐप चैनलों ने कहा कि उन्होंने बेलारूस में एक क्षेत्र शिविर में सैनिकों को संबोधित किया और एक वीडियो जारी किया। शाम के समय तैयार किए गए इस वीडियो में दृश्य धुंधले कर दिए गए हैं। इसमें उसकी छाया नजर आती है और उसकी गंभीर आवाज को स्पष्ट तौर पर सुना जा सकता है।

वीडियो में प्रिगोझिन कहता है, ''स्वागत है आप

सभी का। आप सभी का स्वागत कर मुझे खुशी हो रही है। बेलारूस की धरती पर आपका स्वागत है।'' प्रिगोझिन ने कहा, ''हम सम्मान के साथ लड़े। हमले रूस के लिए काफी कुछ किया है।'' प्रिगोझिन की बगावत ने राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के 23 साल के शासन के लिए बहुत ही गंभीर खतरा पैदा कर दिया था। यह बगावत हालांकि संक्षिप्त थी। नए वीडियो में भी प्रिगोझिन ने यूक्रेन में लड़ाई के फैसले की आलोचना की। वीडियो की प्रामाणिकता की तत्काल पुष्टि नहीं की जा सकी। उसने कहा, ''आज जो भी कुछ सीमा पर हो रहा है वह शर्मिंदगी की बात है जिसमें हमें हिस्सा नहीं लेना चाहिए।'' उसने कहा कि वैग्नर सेना भविष्य में यूक्रेन लौट सकती है। प्रिगोझिन ने वीडियो में कहा, ''हम विशेष सैन्य अभियान में तभी लौट सकते हैं जब हमें महसूस होगा कि जो हम करेंगे, वह हमारी शर्मिंदगी का कारण नहीं बनेगा।'' उसने कहा, ''हमें अभी इंतजार करने की जरूरत है।'' प्रिगोझिन ने कहा, ''इसलिए यह फैसला किया गया है कि हम अभी कुछ समय बेलारूस में बिताएंगे। इस दौरान हम बेलारूस की सेना को दुनिया की दूसरी सबसे ताकतवर सेना बनाएंगे। हम प्रशिक्षित करेंगे, अपने स्तर को बढ़ाएंगे और फिर अफ्रीका की नयी यात्रा पर जाएंगे।

पृथ्वी की सफेद रंग से पुताई से कम हो सकती है ग्लोबल वार्मिंग

-वैज्ञानिकों का दाव- इससे कम हो सकती है ग्लोबल वार्मिंग

कैलिफोर्निया (एजेंसी)। वैज्ञानिकों का कहना है कि अगर पृथ्वी की सतह का दो फीसद हिस्सा भी सफेद रंग से रंग दिया जाए तो उससे ग्लोबल वार्मिंग काफी कम हो जाएगी। जिस तेजी से इन दिनों पृथ्वी और ज्यादा गर्म होती जा रही है, दुनिया के तापमान कम करने के कृत्रिम उपायों पर भी जोरों से मंथन चल रहा है। इनमें समतापमंडल में एरोसोल छोड़ने का एक उपाय भी शामिल है जिससे बने बादल सूर्य से आने वाली रोशनी को रोक सकें। लेकिन वर्तमान अध्ययन में दो साल पहले हुए एक शोध की मदद ली जिसमें वैज्ञानिकों एक खास पेंट विकसित किया था।2021 में पर्ड्यू यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने ऐलान किया था कि उन्होंने ऐसा पेंट विकसित किया है जो दुनिया का अब तक का सबसे सफेद पेंट है। इसकी सफेदी प्रकाश 98 फीसद तक प्रतिबिम्बित कर सकती है। इस ऐलान से पर्यावरणविदों और जलवायु संरक्षणकर्ताओं में एक उम्मीद बनी थी इससे जलवायु परिवर्तन के प्रभाव खास तौर से ग्लोबल वार्मिंग को रोकने में मदद मिलेगी। उस समय कई विशेषज्ञों ने यह माना था कि अगर इस तरह के पेंट का छत पर उपयोग किया जाए तो उससे गर्मी के दिनों मे छत गर्म नहीं होगी और इससे वातानुकूलित यंत्रों का उपयोग कम होने से ग्लोबलवार्मिंग को रोकने में भारी कमी हो सकती है। लेकिन लेकिन इससे केवल यही फायदा ही नहीं होगा बल्कि इसका इससे भी बड़ा उपयोग है।पृथ्वी की सतह पर प्रकाश का अवशोषण ही पृथ्वी को अधिक गर्म कर रहा है। और इसमें जरा सी भी कमी पृथ्वी का तापमान कम करने में प्रभावी तौर पर मदद कर सकती है।

बस अब बहुत हुआ...तालिबान के विरोध में उतरीं महिलाएं, खाना, काम और न्याय का लगाया नारा

इंटरनेशनल डेस्क। तालिबान की तरफ से ब्यूटी सलून बंद करने के आदेश के बाद दर्जनों अफगान महिलाओं ने बैन का विरोध किया। सुरक्षाबलों ने प्रदर्शनकारी महिलाओं पर पानी की बौछार की, 'स्टन गन' का इस्तेमाल किया और तालिबान करने के लिए एक महीने का समय दिया है और इसे गैर-कानूनी घोषित किया है। दर्जनों ब्यूटीशियन और मेकअप कलाकार बैन का विरोध करने के लिए काबुल में इकट्ठा हुआ। एक महिला ने कहा, 'हम यहां न्याय के लिए हैं। हम काम, भोजन और आजादी चाहते हैं।' इस उद्योग से कई महिलाएं जुड़ी हुई हैं।

तालिबान ने नया फरमान जारी करते हुए अफगानिस्तान में ब्यूटी सैलून को बंद करने के लिए एक महीने का समय दिया है। मंत्रालय के प्रवक्ता मोहम्मद सिदिक आकिफ महाजर ने सीएनएन को पुष्टि करते हुए बताया कि सदाचार के प्रचार और बुराई की रोकथाम के लिए यह आदेश 24 जून को दिया गया था, जिसमें सभी सैलून 27 जुलाई तक बंद कर दिए जाएंगे। मंत्रालय ने कहा कि काबुल समेत सभी प्रांतों के तालिबान प्रशासन से कहा गया है कि वे महिलाओं के ब्यूटी सलूनसे जुड़े लाइसेंस रद्द कर दें। सदाचार मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि लोगों को इस प्रतिबंध के बारे में सबसे पहले 2 जुलाई यानी रविवार को जानकारी दी गई थी।

अफगानिस्तान से साल 2021 में अगस्त के महीने में संयुक्त राज्य अमेरिका और उसके सहयोगियों की शर्मनाक वापसी के बाद काबुल पर नियंत्रण करने के बाद से तालिबान ने मानवाधिकारों पर दशकों की प्रगति को पीछे छोड़ दिया है। तालिबान इससे पहले उनकी पढ़ाई और नौकरी के साथ सिनेमा और एंटरटेनमेंट पार्क जाने पर भी बंदिशें लगा चुका है। ब्यूटी सलूनपर प्रतिबंध का यह आदेश तालिबान के सदाचार मंत्रालय ने जारी किया है।

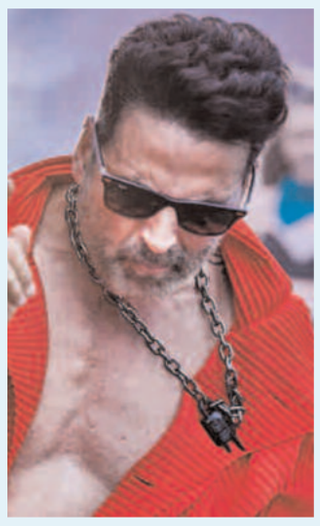

वेलकम 3 में अरशद के साथ नजर आएंगे अक्षय कुमार, संजय दत्त

2007 में रिलीज हुई अक्षय कुमार, कटरीना कैफ, नाना पाटेकर और अनिल कपूर स्टारर फिल्म वेलकम बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुई थी। साल 2015 में वेलकम का सीक्वल रिलीज हुआ वेलकम बैक, जिसमें अक्षय कुमार की जगह एक्टर जॉन अब्राहम लीड रोल में नजर आए थे और अब फिल्म के तीसरे भाग को लेकर चर्चाओं का बाजार गरम है। बताया जा रहा है कि फिरोज नाडियाडवाला ने अपनी इस फ्रेंचाइजी के 3रे भाग पर काम करना शुरू कर दिया है। हाल ही प्रदर्शित हुई वेब सीरीज असुर-2 से चर्चाओं में आए अभिनेता अरशद वारसी ने अपने हाल ही में दिए अपने एक साक्षात्कार में बताया कि इस फिल्म में उनके अलावा अक्षय कुमार और संजय दत्त भी लीड रोल निभाते नजर आएंगे। वेलकम 3 की स्केल, उसकी कोस्ट, उसका क्लाइमेक्स सब कुछ अनरियल सा लगता है। यह लाइफ से कहीं अधिक बड़ी थिएटेरिकल फिल्म है, जिसका मैं हिस्सा बनने वाला हूं। इस फिल्म में मैं, अक्षय कुमार, संजय दत्त, परेश रावल और भी बहुत सारे लोग होंगे। अरशद वारसी ने आगे कहा, सिनेमा का अब पूरा परिदृश्य बदल गया है। अब थिएटरों में रिलीज होने वाली सभी फिल्में सुपरहीरो फिल्में हैं। वह बहुत बड़ी और लारजर देन लाइफ होती हैं और यह विचित्र है। मैं खुद को उसी तरह देख रहा हूं। इन बड़ी फिल्मों में छोटा-मोटा काम करना मुझे पसंद नहीं है। मेरे लिए नौकरी में संतुष्ट होना सबसे महत्वपूर्ण है। ये ऐसी फिल्में हैं जो मुझे ढेर सारा पैसा देंगी। मुझे जो प्रस्ताव मिले हैं, वह मुझे कुछ खास पसंद नहीं आए। और अब जो मैं कर रहा हूं वह वेलकम-3 है। अरशद वारसी इन दिनों अपनी वेबसीरीज असुर 2 को लेकर काफी सुर्खियों में हैं। अरशद वारसी, अनुप्रिया गोयनका, रिद्धि डोगरा और वरुण सोबती स्टारर यह फिल्म 1 जून को जियो सिनेमा पर रिलीज हुई थी। इस सीरीज में अरशद वारसी एक पुलिस अफसर की भूमिका में नजर आ रहे हैं। यह सीरीज दर्शकों को काफी पसंद आई है और इसमें अरशद वारसी के किरदार की काफी सराहना भी हुई है।

दो दशकों के बाद एक फिल्म में फिर साथ आएंगे शरमन व साहिल

एक्टर शरमन जोशी और साहिल खान अपनी फिल्मों स्टाइल और एक्सक्यूज मी के दो दशक बाद एक बार फिर साथ काम करने वाले हैं। उनका नया प्रोजेक्ट शुरू होने के लिए पूरी तरह तैयार है। अबू धाबी में बड़े पैमाने पर शूट की जाने वाली इस फिल्म में चार ट्रैक होंगे जो चार्टबस्टर लिस्ट में टॉप पर पहुंचने और सभी रिकॉर्ड तोड़ने में आगे रहेंगे। शरमन ने कहा, फिल्म पूरी तरह से तैयार है, मैं बिल्कुल उत्साहित हूं। साहिल और मैंने पहले जो फिल्में कीं, **उनमें स्क्रीन पर हमारे बीच की केमिस्ट्री को काफी सराहना मिली। यह हमारी पहली व्यावसायिक हिट थी जिसे राजू हिरानी सर ने भी देखा था, जिन्होंने फिर मुझे 3 इडियट्स के लिए साइन किया। साहिल ने साझा किया, लेखक और निर्देशक सैम खान और मैं एक-दूसरे को लंबे समय से जानते हैं और उनके निर्देशन में काम करने को लेकर मैं बेहद खुश हूं। साथ ही, यह फिल्म मुझे और शरमन को एक बार फिर साथ लाती है। वह एक शानदार अभिनेता और साथ काम करने के लिए एक अद्भुत इंसान हैं। डायलॉग्स और कहानी लिखने वाले लेखक मिलाप जावेरी ने कहा, फिल्म पूरी तरह से मनोरंजक होगी। इसमें दर्शकों को अपनी सीट से बांधे रखने वाली सभी बातें हैं। निर्माता हितेश खुशालानी ने कहा, शरमन और साहिल को एक फिल्म के लिए एक साथ वापस लाना हमारा उस सौहार्द को फिर से बनाने का प्रयास है जो उन्होंने एक बार स्क्रीन पर साझा किया था। शरमन की कॉमिक टाइमिंग बहुत अच्छी है और साहिल का सेंस ऑफ ह्यूमर नेचुरल है। ये दोनों दर्शकों को हंसा-हंसाकर लोट-पोट कर देंगे। अभी तक बिना शीर्षक वाली फिल्म में सैम खान का निर्देशन और कहानी, मिलाप जावेरी की पटकथा और डायलॉग्स हैं। इसे व्हाइट लायन मोशन पिक्चर प्रोडक्शन, निर्माता हितेश खुशालानी द्वारा निर्मित किया गया है। भुवी खुशालानी, जफर मेहदी और ईशान दत्ता सह-निर्माता हैं।**

आशिकी-3 में नजर आएंगे कार्तिक आर्यन ?

कार्तिक आर्यन की फिल्म सत्यप्रेम की कथा बॉक्स ऑफिस पर तगड़ी कमाई करने में कामयाब रही है। अब फैंस को बेसब्री से उनके अगले अनाउंसमेंट का इंतजार है और इसी बीच कार्तिक की यह पोस्ट चर्चा में है। बॉलीवुड एक्टर कार्तिक आर्यन की फिल्म सत्यप्रेम की कथा बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ का आंकड़ा छूने में कामयाब रही है। अब दर्शकों को इंतजार है उनके अगले अनाउंसमेंट का, और इसी बीच कार्तिक आर्यन ने सोशल मीडिया पर एक ऐसी पोस्ट कर दी है जिसके बाद उनके फैंस के बीच हलचल मच गई है। कार्तिक आर्यन ने इंस्टाग्राम पर अपनी एक फोटो पोस्ट करते हुए लिखा- अपनी अगली रोमांटिक फिल्म की राह देख रहा हूं। कोई है?

कार्तिक आर्यन को फैंस ने दिया बड़ा हिंट?

फोटो में कार्तिक आर्यन ब्लैक शर्ट पहनकर इंटेन्स लुक देते नजर आ रहे हैं। कार्तिक आर्यन की इस पोस्ट के बाद ज्यादातर फैंस यह कयास लगाते नजर आए कि च्च सुपरहिट फिल्म आशिकी के पार्ट-3 में नजर आने वाले हैं। एक यूजर ने कमेंट किया- आशिकी 3 प्लीज कार्तिक। दूसरे यूजर ने कमेंट किया- आशिकी 3 है ना। एक यूजर ने लिखा- कार्तिक आर्यन की तरह इस काम को कोई नहीं कर सकता।

अलग जॉनर की फिल्में आजमा रहे कार्तिक

बता दें कि कार्तिक आर्यन ने लंबे वक्त तक रॉमकॉम मूवीज करने के बाद अब अलग तरह के जॉनर भी ट्राय करना शुरू किया है। उदाहरण के लिए वह भूल भुलैया जैसी हॉरर कॉमेडी फिल्म और शहजादा जैसी फैमिली एक्शन एंटरटेनर फिल्म में भी काम करते नजर आ चुके हैं। वहीं हाल ही में रिलीज हुई उनकी फिल्म सत्यप्रेम की कथा भी बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई करने में कामयाब रही है। फिल्म ने हाल ही में 100 करोड़ क्लब में भी अपनी जगह बनाई है।

सलमान खान ने फर्जी कास्टिंग कॉल करने वालों को दी चेतावनी

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान ने सोमवार को कड़ी चेतावनी जारी करते हुए कहा कि न तो वह और न ही उनका प्रोडक्शन बैनर सलमान खान फिल्म्स फिल्मों में कास्टिंग के लिए किसी तीसरे पक्ष से जुड़े हैं। सलमान खान ने अपने इंस्टाग्राम पर चेतावनी देते हुए कहा कि धोखाधड़ी के उद्देश्यों के लिए उनकी कंपनी के नाम का इस्तेमाल करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। सुपरस्टार ने इस चेतावनी को आधिकारिक सूचना का कैप्शन दिया। इस पोस्ट के नोटिस में लिखा गया **कि यह स्पष्ट करना है कि न तो सलमान खान और न ही सलमान खान फिल्म्स वर्तमान में किसी भी फिल्म के लिए कास्टिंग कर रहे हैं।** हमने अपनी किसी भी फिल्म के लिए किसी कास्टिंग एजेंट को काम पर नहीं रखा है। सलमान ने आगे कहा कि इस उद्देश्य के लिए किसी भी ईमेल या संदेश पर भरोसा न करें। यदि कोई भी खान या एसकेएफ के नाम का गलत इस्तेमाल करते हुए पाया गया तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अर्चना गौतम ले रही इंग्लिश की ट्यूशन

बिग बॉस 16 से घर-घर में मशहूर हुईं अर्चना गौतम ने कहा है कि वह फिलहाल खुद पर ध्यान दे रही हैं, इंग्लिश की ट्यूशन ले रही हैं, किताबें पढ़ रही हैं और नया लुक अपना रही हैं। अर्चना गौतम बिग बॉस 16 की सबसे मजबूत कंटेस्टेंट्स में से एक बनकर उभरीं और अब उनके फैंस खतरों के खिलाड़ी सीजन 13 में उन्हें खतरनाक स्टंट करते हुए देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। खतरों के खिलाड़ी 13 के पहले एपिसोड की **स्पेशल स्क्रीनिंग में सभी कंटेस्टेंट एक साथ नजर आए। अर्चना ने अपने अनुभव और भी बहुत कुछ के बारे में बताया।** अर्चना, जो इन दिनों बिल्कुल अलग अवतार में नजर आ रही हैं, ने कहा, मुझे लगता है कि जब कोई व्यक्ति किसी चीज में कदम रखता है, तो उसे हमेशा बढ़ना चाहिए। इसलिए वर्तमान में, मैं बढ़ रही हूं। मैं इंग्लिश ट्यूशन ले रही हूं, किताबें पढ़ रही हूं, खुद को क्लासी दिखाने के लिए नया लुक अपना रही हूं। मैं अब एक बेहतर एक्ट्रेस बनना चाहती हूं। उन्होंने कहा, चूंकि शो की शूटिंग केपटाउन में है, विदेशी क्रू केवल इंग्लिश में बातचीत कर रहा है, जिससे मुझे कई समस्याओं का सामना करना पड़ा। इसलिए मुझे एहसास हुआ कि अगर आप विदेश यात्रा कर रहे हैं तो अंग्रेजी जरूरी है। शूटिंग के **दौरान बनाए गए दोस्तों के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, मैं ऐश्वर्या** और नायरा के सबसे करीब हो गई। लोग हमें त्रिमूर्ति कहते थे। शो में मैंने कई अच्छे दोस्त बनाए हैं। ऐसी चर्चा है कि वह शो की फाइनलिस्ट में से हैं। उन्होंने कहा, इसके लिए सभी को एपिसोड देखना होगा। लेकिन हां, मैं कहूंगी कि मेरे फैन बिल्कुल भी निराश नहीं होंगे। मैंने अपने सभी स्टंट बहुत अच्छे से किए हैं। खतरों के खिलाड़ी 13 कलर्स टीवी पर प्रसारित होता है।

मेरी क्रिसमस और योद्धा की रिलीज डेट के टकराव पर भड़के करण

फिल्म निर्माता करण जौहर ने एक फिल्म की रिलीज को लेकर निर्माताओं और स्टूडियो की आलोचना की है। करण जौहर ने कहा, बिना किसी फोन कॉल के फिल्म की रिलीज डेट तय कर दी गई। करण जौहर का यह बयान कैटरीना कैफ और विजय सेतुपति की आगामी फिल्म मेरी क्रिसमस की रिलीज की तारीख की घोषणा के बाद आया। मेरी क्रिसमस 15 दिसंबर को रिलीज होगी। करण ने अपने थ्रेड्स अकाउंट पर लिखा, बिना कोई फोन कॉल किए एक डेट रखना सही नहीं है। अगर हम इन कठिन और चुनौतीपूर्ण दिनों में एकजुट नहीं खड़े हैं तो हमें एक बिरादरी कहना व्यर्थ है। ऐसा लगता है कि करण ने श्रीराम राघवन और रमेश तौरानी का जिक्र किया, जो मैरी क्रिसमस के सह-निर्माता हैं। योद्धा में सिद्धार्थ मल्होत्रा, दिशा पटानी और राशि खन्ना हैं, जबकि मेरी क्रिसमस श्रीराम राघवन द्वारा निर्देशित एक डार्क कॉमेडी थ्रिलर है।

अंगद स्प्रिंट टूर्नामेंट में करेंगे भारत का प्रतिनिधित्व

अभिनेता अंगद बेदी ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 400 मीटर दौड़ में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लक्ष्य के साथ स्प्रिंटिंग (दौड़) में पेशेवर करियर बनाने का एक असाधारण निर्णय लिया है। मुंबई में अपने पहले 400 मीटर स्प्रिंटिंग टूर्नामेंट में सिल्वर मेडल जीतने की उल्लेखनीय उपलब्धि के बाद, अंगद ने खेल को नई ऊंचाइयों पर ले जाने और गर्व से अपने देश का प्रतिनिधित्व करने पर ध्यान केंद्रित किया है। अंगद बेदी का खेलकूद के प्रति जुनून और उनकी असाधारण खेलकूद क्षमता उनके पूरे करियर में स्पष्ट रही है। जबकि उन्होंने खुद को एक बहुमुखी अभिनेता के रूप में स्थापित किया है, अंगद ने हमेशा खेल के प्रति गहरा प्रेम रखा है, और 400 मीटर दौड़ में उनकी हालिया सफलता ने उन्हें इस उल्लेखनीय यात्रा पर निकलने के लिए प्रेरित किया है। अपने नए खेलकूद प्रयास में उत्कृष्टता प्राप्त करने के दृढ़ संकल्प के साथ, अंगद अपने कोच ब्रिंस्टन मिरांडा के मार्गदर्शन में कठोर और कड़ी ट्रैनिंग से गुज़र रहे हैं। कोच मिरांडा, जो खुद एक अनुभवी एथलीट हैं, ने 2016 में वर्ल्ड मास्टर्स गेम्स में 5वीं रैंक हासिल करने की उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की। ??कोच मिरांडा के साथ अंगद का जुड़ाव यह सुनिश्चित करता है कि उन्हें अपने कौशल को निखारने और अपने प्रदर्शन को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ले जाने के लिए टॉप स्तर का प्रशिक्षण और मार्गदर्शन मिले। स्प्रिंटिंग में भारत का प्रतिनिधित्व करने के बारे में अपना उत्साह व्यक्त करते हुए, अंगद बेदी ने कहा, अगले साल 400 मीटर दौड़ में अपने देश का प्रतिनिधित्व करने का अवसर पाकर मैं सम्मानित और रोमांचित महसूस कर रहा हूं। पहले मेरा लक्ष्य दिसंबर में महाराष्ट्र राज्य और फिर नेशनल है। सिल्वर मेडल मेरे पहले स्प्रिंटिंग टूर्नामेंट ने इस खेल को पेशेवर स्तर पर आगे बढ़ाने के मेरे दृढ़ संकल्प को प्रेरित किया है। अपने सम्मानित कोच ब्रिंस्टन मिरांडा के मार्गदर्शन के साथ, मैं अपना सर्वश्रेष्ठ देने और अपने देश को गौरवान्वित करने के लिए प्रतिबद्ध हूं। मैं समर्थन और प्रोत्साहन के लिए आभारी हूं। इस अविश्वसनीय यात्रा के दौरान मुझे अपने परिवार, दोस्तों और प्रशंसकों से आशीर्वाद मिला है। जैसे-जैसे अंगद बेदी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार हो रहे हैं, वह कड़ी ट्रैनिंग, अपनी तकनीक में सुधार और अपनी गति में सुधार करना जारी रखेंगे।

इस शाहरुख की अपकमिंग फिल्म जवान को लेकर भी अभी से कयास लगने शुरू हो गए हैं कि यह फिल्म भी रिकॉर्डतोड़ कमाई करेगी। इसी बीच सोशल मीडिया पर काजोल का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है जिसमें एक्ट्रेस पठान के कलेक्शन के बारे में बात कर रही हैं।

झूठे थे पठान की कमाई के आंकड़े : काजोल

हाल ही में केआरके ने अपने ट्विटर पर काजोल के इंटरव्यू का एक वीडियो क्लिप शेयर किया है, जिसमें एक्ट्रेस पठान के बारे में बात कर रही हैं। बता दें कि जब काजोल से शाहरुख खान को लेकर एक सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि शाहरुख खान से क्या पूंछू सोशल मीडिया पर। इसके बाद एक्ट्रेस सवाल करती हैं कि पठान ने रियल में कितनी कमाई की है? इसके बाद वह हंसने लगती हैं। काजोल की इस वीडियो को शेयर करते हुए कमाल आर खान ने कैप्शन में लिखा कि काजोल पठान के बिजनेस का मजाक बना रही हैं। इसका मतलब है कि अजय इनसे घर पर शाहरुख के फर्जी कलेक्शन के बारे में बात करते होंगे। यह बॉलीवुड का असली चेहरा है। इस पोस्ट के सामने आते ही सोशल मीडिया पर लोग जमकर इसपर अपना रिएक्शन दे रहे हैं। ऐसे में कुछ लोग शाहरुख खान को सपोर्ट कर रहे हैं, तो कुछ केआरके को भी सही बता रहे हैं। बता दें कि शाहरुख खान की पठान 25 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। शाहरुख खान के साथ इस फिल्म में दीपिका पादुकोण और जॉन अब्राहम भी मुख्य भूमिका में नजर आए थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस एक्शन पैक फिल्म ने दुनियाभर में करीब 1000 करोड़ से अधिक की कमाई की। वहीं फैंस एक्टर की अपकमिंग फिल्म जवान का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक राजकुमार शर्मा ने वैकुंठ मीडिया प्राइवेट लिमिटेड सी -285, सेक्टर-11, विजय नगर, गाजियाबाद से छपवाकर कार्यालय 178 राहुल विहार विजय नगर,गाजियाबाद से प्रकाशित किया है। किसी खबर या लेख से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

सभी विवादों का निस्तारण जिला न्यायालय गाजियाबाद में होगा। प्रबंध संपादक-महेश कुमार - 9911733939, कानूनी सलाह- नरेंद्र सिंह रणोत एडवोकेट, सलाहकार कुशल सिंह, RNI No-UPHIN/2013/50466, Editor R.K. Sharma : 09456278011